दैनिक
मिशन नेशनल न्यूज
TITLE CODE.: UTTHIN05386
हिन्दी अखबार
प्रसारित स्थान : उत्तराखण्ड ● प्रयागराज ● मथुरा ● बिजनौर ● सहारनपुर ● मुजफ्फरनगर ● मेरठ ● गाजियाबाद
वेबसाईट पढ़े: www.missionnationalnews.com
वर्ष-2 अंक-335 पृष्ठ-8 : मूल्य : 1 रुपये
हरिद्वार,सोमवार, 02 दिसंबर 2024

संक्षिप्त समाचार

संभल जामा मस्जिद जांच के दौरान हिंसा की जांच करने पहुंची न्यायिक आयोग की टीम

संभल

उत्तर प्रदेश के संभल में जामा मस्जिद के सर्वे को लेकर हुई हिंसा की जांच करने न्यायिक आयोग की टीम आज रविवार सुबह पहुंची है। टीम के सदस्यों घटनास्थल का मुआयना करना शुरू कर दिया है। न्यायिक आयोग की 03 सदस्यीय टीम 04 बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेगी।

संभल जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के दौरान हुई हिंसा की जांच करने 01 दिसंबर रविवार की सुबह 10 बजे न्यायिक आयोग की टीम संभल पहुंची है। टीम पहुंचने से पहले ही मस्जिद के बाहर व आस-पास कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई। यहां पहुंची न्यायिक आयोग की टीम में तीन सदस्य हैं, जो प्रमुख रूप से 04 बिंदुओं पर अपनी जांच केंद्रित करेंगे। इन बिंदुओं में सर्व प्रथम क्या हिंसा किसी साजिश के तहत सुनियोजित ढंग से की गई थी? तब क्या पुलिस सुरक्षा व्यवस्था पर्याप्त थी? इसके साथ ही हिंसा किन कारणों से हुई और तब क्षेत्र के हालात क्या थे? इन सब की वजह क्या थी? भविष्य में इस तरह की घटना दोबारा घटित न हो इसके लिए क्या उपाय करने होंगे। इन प्रमुख बिंदुओं पर न्यायिक आयोग की टीम अपनी जांच करेगी। बताते चलें कि बीते 24 नवंबर को जामा मस्जिद के दूसरे सर्वे के बीच हिंसा भड़क गई थी जिसमें चार लोगों की मौत हो गई थी।

गैंगस्टर्स के कब्जे में दिल्ली, कारोबारियों को आ रहे फिरौती के कॉल : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कानून व्यवस्था को लेकर केंद्र की मोदी सरकार पर जमकर भड़के। उन्होंने कहा कि दिल्ली में डर का माहौल है। दिल्ली की महिलाएं डरी हुई हैं। गैंगस्टर्स के कब्जे में दिल्ली आ चुकी है। दिल्ली में कानून व्यवस्था खराब हो गई है। उन्होंने कहा कि पूरी दिल्ली के अंदर आज कारोबारियों के पास फिरौती की कॉल आ रही हैं। अगर वे नहीं सुनते हैं, तब अगले ही दिन उसके घर या दुकान के बाहर फायरिंग होती है वे एक पर्ची भी छोड़ जाते हैं जिसमें धमकी दी जाती है।

उन्होंने कहा कि मैं यह सब मुद्दे उठा रहा हूं, तब मेरे ऊपर कल पदयात्रा में परल पदार्थ फेंका गया। शनिवार को मेरे एक विधायक को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि विधायक भी गैंगस्टर से परेशान हैं। उनके पास भी गैंगस्टर की कॉल आ रही थीं उन्हें धमकी दी जा रही थी। 2023 में उन्होंने पुलिस को शिकायत की थी, उसके बेटे को मारने की धमकी दी गई। 30 से 40 बार विधायक को गैंगस्टर कपिल सांगवान की ओर से धमकी दी गई। उन्होंने कहा कि हमारे विधायक को गिरफ्तार करवाकर केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह ने संदेश दिया है कि अगर आप के पास गैंगस्टर की कोई कॉल आती है और पुलिस में शिकायत देते हैं, तब आप को ही गिरफ्तार किया जाएगा।

खलंगा मेला पूर्वजों की वीरता और अदम्य साहस को स्मरण करने का अवसर

देहरादून प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि समर्पित भाव से कार्य करते हुए आ रहे है और आज बचपन के दिन आ गये हैं और अपने पुज्य पिताजी का भी स्मरण कर रहे है। देशभक्ति का झंडा फहराया तो सबके मन में नई ऊर्जा पैदा हो गई है और वह भी सैनिक परिवार में जन्में है। उन्होंने कहा कि खलंगा मेला पूर्वजों की वीरता और अदम्य साहस को स्मरण करने का अवसर भी है। यहां नालापानी सागरताल में खलंगा मेला समिति के तत्वावधान में खलंगा मेला 2024 के शुभारंभ पर मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए कहा कि ऐतिहासिक पचासवें खलंगा वीरता व

अदम्य साहस और सभी वीरों को नमन करते गोर्खा समाज के सभी लोगों का अभिनंदन करते है। उन्होंने कहा कि कुंवर बलभद्र थापा, उनकी सेना और विरांगनाओं को भी याद किया है। उन्होंने कहा कि यहां पर एक सेतू का काम किया गया है और यह मेला वीर भूमि उत्तराखंड के अमर बलिदानियों को हमेशा याद करती रहेगी। उन्होंने कहा कि अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिए अपने प्राणों का बलिदान दिया और इस युद्ध में हमें देशभक्ति की प्रेरणा देता रहेगा और स्मरण करता रहेगा की खलंगा मेला क्यों आयोजित होता है और धर्म की रक्षा के लिए और हम सब की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहूति दी है और हमेशा हमारे मन में रहेंगें जो प्राणों का बलिदान देता है तो वह अमर हो जाता है और उनका सेनानायक वीर बलभद्र थापा के साहस व गौरवशाली विरासत का भी खलंगा मेला प्रतीक है। उन्होंने कहा कि सेनानायक वीर बलभद्र थापा एवं उनके वीर सैनिकों का सुदृढ़ खलंगा किला आज भी गर्व से मस्तक उठाए खड़ा है और सन 1814 में गोखार्ली तथा उत्तर भारत के स्थानीय लोग लगभग छह सौ वीर, वीरांगनाओं, योद्धाओं ने सेनापति बलभद्र थापा के नेतृत्व में अदम्य साहस का परिचय देते हुए तीन बार अंग्रेजों के आक्रमण को पूरी तरह विफल कर दिया था।

अपने विरोधियों को गौतम अडानी का जबाब, आपके सपने जितने बड़े होते हैं, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती

अडानी समूह को राजनैतिक विवाद में फंसाया गया

जयपुर

राजस्थान की राजधानी जयपुर में अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी ने हिंडनबर्ग विवाद और अमेरिका में लगे रिश्वत देने के आरोपों पर पहली बार सार्वजनिक बयान दिया। उन्होंने कहा, अडाणी ग्रुप के रास्ते में आई हर बाधा उसकी सफलता की सीढ़ी बनी है। गौतम अडानी ने कहा कि आपके सपने जितने बड़े होते हैं, दुनिया उतनी ज्यादा आपकी परीक्षा लेती है। उन्होंने कहा कि चुनौतियां हमें कभी तोड़ नहीं पाई, बल्कि उन्होंने हमें और मजबूत बनाया। हमारे अंदर ये विश्वास पैदा किया कि हर गिरावट के बाद हम और मजबूत तरीके से ऊपर उठने वाले है। गौतम अडाणी शनिवार शाम को जयपुर में 51वें इंडिया जेम्स एंड ज्वेलरी अवॉर्ड (आईजीजेए) समारोह में बोल रहे थे। इस मौके पर अपने विरोधियों को सुनकर अडाणी ने कहा कि हमें राजनीतिक विवाद में फंसाया गया है।

अडानी ने कहा कि साल 2010 में जब कंपनी ने ऑस्ट्रेलिया में कोल माइनिंग शुरू की थी, तब हमारा उद्देश्य था कि हमें भारत को एनर्जी सेक्टर में और मजबूत करना है। हमारा उद्देश्य था कि भारत में होने वाले 2 टन खराब कोयले को ऑस्ट्रेलिया से 1 टन अच्छी क्वालिटी के कोयले से रिप्लेस किया जाएगा। हालांकि गैर सरकारी संगठनों ने इसका बहुत ज्यादा विरोध किया और ये 10 साल तक चला। ये विरोध इतना ज्यादा था कि 10 बिलियन डॉलर के पूरे प्रोजेक्ट की

फंडिंग हमने अपने इक्विटी शेयर से की। आज हमारे पास ऑस्ट्रेलिया में वर्ल्ड क्लास कोल माइन है। यह हमारे लचीलेपन को दिखाता है।

वहीं जनवरी 2023 में जब हम फॉलोऑन पब्लिक आफर (एफपीओ) लांच करने जा रहे थे, तब अडानी समूह ने विदेश से कंपनी के खिलाफ शॉर्ट सेलिंग (शेयर बाजार में कंपनी के शेयर की बिकवाली) अटैक का सामना किया। ये सिर्फ आर्थिक हमला नहीं था, ये डबल अटैक था। हमारी आर्थिक स्थिरता को टारगेट किया ही, हमें राजनीतिक विवाद में भी फंसाया गया। कई मीडिया संस्थानों ने इस विवाद को अपने स्वार्थों की पूर्ति के लिए और बढ़ाया। उन विपरीत हालातों में भी हमने हमारे सिद्धांतों के प्रति प्रतिबद्धता दिखाई। 20 हजार करोड़ रुपए का देश का सबसे बड़ा एफपीओ लाने के बाद हमने कुछ असाधारण फैसले लिए। हमने कई अंतरराष्ट्रीय स्त्रोतों से पैसा जुटाया और हमारा डेब्ट टू एबिटडा रेश्यो 2.5 गुना से कम कर दिया। ग्लोबल इंफ्रास्ट्रक्चर स्पेस में यह मैट्रिक्स अनमैच है। इसी साल हमारे फाइनेंशियल रिजल्ट ने हमारी श्रेष्ठता की प्रतिबद्धता को दिखाया। एक भी भारतीय और विदेशी रेटिंग एजेंसी ने हमें डाउन ग्रेड नहीं किया और आखिरकार सुप्रीम कोर्ट ने भी हमारे कार्य को सही ठहराया और दृष्टिकोण को वैधता दी।

इस दौरान गौतम अडानी ने कहा कि 2 सप्ताह पहले हमने अमेरिका से अडाणी ग्रीन एनर्जी के कामों को लेकर कुछ आरोपों का सामना किया। सच ये है कि अडाणी कंपनी के किसी भी व्यक्ति के ऊपर अमेरिका के फॉरेन करप्ट प्रैक्टिस एक्ट (एफसीपीए) के उल्लंघन या साजिश के आरोप तय नहीं हुए हैं। आज की दुनिया में नकारात्मकता तथ्यों से ज्यादा तेजी से फैलती है।

अडाणी ने कहा कि ऐसी चुनौती हमने पहली बार फेस नहीं की है। हर आक्रमण आपको मजबूत बनाता है। हर बाधा अडाणी ग्रुप की सीढ़ी बन जाती है। हमने जो बाधाएं फेस की है, वहां हमारे लीडर बनने की कीमत है।

संघ प्रमुख की हिंदुओं से अपील, दो या तीन बच्चे पैदा करें

नागपुर

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सरसंघचालक मोहन भागवत ने जनसंख्या नीति को लेकर अहम बयान दिया है। उन्होंने कार्यक्रम में कहा कि यह जरूरी है कि जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से नीचे न जाए। हमारे लिए जरूरी है कि दो या तीन बच्चे पैदा किए जाएं। ऐसा जनसंख्या विज्ञान कहता है और यदि औसत आंकड़ा 2.1 का ही रहा तब फिर बिना किसी खतरे के ही पृथ्वी से मानवता समाप्त होगी। आबादी यदि इसतरह कम होने की दर बनी रही, तब फिर कई भाषाएं और सभ्यताएं खत्म होने के कगार पर होगी। संघ प्रमुख भागवत ने कहा, आबादी का घटना चिंता का विषय है। आधुनिक जनसंख्या विज्ञान कहता है कि जब जन्म दर 2.1 से नीचे जाती है, तब फिर धरती से मानवता ही खत्म होने का खतरा पैदा होता है। ऐसी स्थिति में समाज खत्म हो जाता है, जबकि उसके आगे कोई प्रत्यक्ष संकट नहीं होता। ऐसी स्थिति में कई भाषाओं और सभ्यताओं के खत्म होने का खतरा होता है। देश की जनसंख्या नीति 1998 या 2002 में तय हुई थी। जनसंख्या की औसत वृद्धि दर 2.1 से कम नहीं होनी चाहिए। हमारे लिए यह जरूरी है कि दो या तीन बच्चे हों। आबादी की जरूरत है क्योंकि समाज का अस्तित्व रहना चाहिए।

आरएसएस की ओर से कई बार ये कहा जा चुका हैं कि देश में जनसंख्या का असंतुलन बढ़ रहा है।

भोपाल गैस त्रासदी: यदि यूनियन कार्बाइड मान लेती वकील की बात, नहीं जाती 5,479 लोगों की जान

घटना के करीब 21 माह पहले भोपाल के वकील ने भेजा था कानूनी नोटिस

भोपाल

मध्यप्रदेश की राजधानी भोपाल में हुई दुनिया की सबसे बड़ी औद्योगिक गैस त्रासदी को लेकर पहले ही अंदेशा जताते हुए एक वकील ने घटना के करीब 21 माह पहले ह्यूनियन कार्बाइड कंपनीह्ल को नोटिस भेजा था जिसमें लोगों के स्वास्थ्य पर मंडरा रहे खतरे का हवाला देकर कंपनी से कीटनाशक संयंत्र में जहरीली गैसों का उत्पादन बंद करने को कहा गया था। बहरहाल, अमेरिका की बहुराष्ट्रीय कंपनी ने उनके आरोपों को खारिज कर दिया था लेकिन कंपनी की यही लापरवाही 1984 में दो और तीन दिसंबर की दरमियानी रात को हुई भयानक गैस रिसाव त्रासदी के रूप में सच साबित हुई। इस संयंत्र से अत्यधिक जहरीली गैस ह्यमिथाइल आइसोसाइनेटह्ल के रिसाव के कारण 5,479 लोगों की जान चली गई और पांच लाख से अधिक लोग अपंग हो गए।

दरअसल वकील शाहनवाज खान ने चार मार्च 1983 को ह्यूनियन कार्बाइड इंडिया लिमिटेड (यूसीआईएल) को नोटिस भेजा था, इसमें आसपास रहने वाले 50,000 लोगों के स्वास्थ्य पर खतरे का हवाला देकर जहरीली

गैसों का उत्पादन बंद करने के लिए कहा गया था लेकिन यूसीआईएल ने अपने सुरक्षा तंत्र को दुरुस्त करने के बजाय 29 अप्रैल 1983 को खान को दिए जवाब में उनकी चिंताओं और आरोपों को निराधार बताकर खारिज कर दिया था।

यूसीआईएल के भोपाल इकाई के कार्य प्रबंधक जे मुकुंद ने जवाब के अंतिम पैरा में लिखा था, ह्यह्यहम आपके चार मार्च 1983 के नोटिस में लगाए गए सभी आरोपों को फिर खारिज करते हैं और अगर आप हमारे खिलाफ कोई कानूनी कार्रवाई करते हैं, तब हम भी इसका उचित जवाब देने को तैयार है। भोपाल के निवासी वकील शाहनवाज स्वतंत्रता सेनानी खान शाकिर अली खान के भतीजे हैं। शाकिर अली खान यहां से चार बार विधायक रहे और ह्यह्यशेर-ए-भोपाल के नाम से लोकप्रिय हुए।

शाहनवाज ने बताया कि नोटिस का जवाब मिलने के बाद उन्होंने यूसीआईएल के खिलाफ मामला दर्ज कराने के लिए गैस रिसाव और उसके कारण हुई मौतों की घटनाओं पर पुलिस तथा अन्य स्त्रोतों से दस्तावेज जुटाने शुरू कर दिए। वकील ने कहा, ह्यह्यइसके पहले कि मैं दस्तावेज जुटा पाता, कार्बाइड कारखाने में गैस का रिसाव हो गया।ह्लह्ल

नोटिस के बारे में खान ने कहा कि वह भोपाल में ह्यूनियन कार्बाइडह्ल फैक्टरी (अब बंद हो चुकी) के एक कर्मचारी अशरफ की संयंत्र से 25 दिसंबर 1981 को फॉस्जीन गैस के रिसाव के कारण हुई मौत के बाद से बेहद दुखी थे। उन्होंने कहा, ह्यह्यनौ जनवरी (1982) को संयंत्र में रिसाव के बाद 25 श्रमिकों को अस्पताल में भर्ती किया गया था, जिसके बाद श्रमिकों ने विरोध प्रदर्शन किया। वकील ने बताया कि मार्च 1982 में जहरीली गैस रिसाव की एक और घटना हुई। उन्होंने बताया कि उसी साल पांच अक्टूबर को रिसाव की एक और घटना हुई, जिसके बाद संयंत्र के आस-पास रहने वाले सैकड़ों लोगों को अस्पताल में भर्ती कराया गया। खान ने दस्तावेज और कंपनी का जवाब दिखाते हुए कहा, ह्यह्ययह देखकर मैंने चार मार्च 1983 को यूसीआईएल को एक कानूनी नोटिस भेजा।

खान के नोटिस में कहा गया था कि फैक्टरी भोपाल नगर निगम की सीमा के भीतर आबादी वाले क्षेत्र में स्थित है और इसके आस-पास की आवासीय कॉलोनियों में 50,000 से अधिक लोग निवास करते हैं। नोटिस में कहा गया, ह्यह्यइससे पहले, आपकी फैक्टरी में एक व्यक्ति की जान चली गई थी। कुछ दिन पहले आपकी फैक्टरी में एक गंभीर हादसा हुआ था।

संपादकीय

शारीरिक संतुष्टि के लिए मौत को गले लगाते युवा

यह आम कहावत है कि लोग बुरी आदतों को शीघ्र सीख लेते हैं जबकि अच्छी आदत सीखने में उन्हें देर लगती है। एक नए अध्ययन में बताया गया है कि आजकल लोग अजीबो गरीब हरकतें करके खुशी मनाने के चक्कर में मौत के मुंह में चले जाते हैं। इनमें नदी, समुद्र या बांध के किनारे सेल्फी लेने, सड़कों पर मोटरसाइकिल पर कलाबाजियां करते समय जीवन से हाथ धो बैठते हैं। एक अध्ययन में कुछ नये खुलासे भी हुए हैं। ताजातरीन अध्ययन यह है कि आजकल पंजाब में नौजवान हस्तमैथुन करते हुए अपनी जीवन लीला समाप्त कर बैठते हैं। यद्यपि पंजाब सरकार के पास इसके सही आंकड़े मौजूद नहीं हैं परंतु शहरों में सेक्स विशेषज्ञों से बातचीत करने के पश्चात कई कटु सच्चाइयां सामने आई है। लुधियाना में एक 19 वर्षीय बच्चा हस्तमैथुन का इतना आदि हो गया कि उसके शरीर की शक्ति क्षीण हो गयी और उसकी मृत्यु हो गई। ऐसा ही एक व्यक्ति और मृत पाया मिला जिसने बिजली के करंट के माध्यम से अपने शरीर में कामोत्तेजना पैदा करने के लिए लाइटों को अपने शरीर से जोड़ा हुआ था।

सेक्स विशेषज्ञ डॉक्टर सतीश गोयल का कहना है कि पंजाब में लोग नई-नई जुगाड़ लगाते रहते हैं। नशेड़ी लोग भी सेक्स का चरम सुख प्राप्त करने के लिए ऐसी अजीबोगरीब हरकतें करते रहते हैं। कामोत्तेजना की अभिलाषा से हुई इन मौतों का कारण बताते हुए फॉरेंसिक परीक्षक सुखदेव सिंह का कहना है कि ऐसे लोग शरीर में ऑक्सीजन की मात्रा कम करके चरम कामोत्तेजना का आनंद उठाते हैं। उन्होंने बताया कि पंजाब में हर वर्ष जोखिम भरी हस्तमैथुन प्रक्रियाओं के कारण 90 से 100 नौजवान मौत का शिकार हो रहे हैं। अध्ययन से यह भी खुलासा हुआ है कि पंजाब की 10 लाख आबादी पर प्रतिवर्ष एक या दो मौतें ऐसी होती है जिनमें यौन क्रिया को अधिक उत्तेजना पूर्वक बनाने के लिए विभिन्न प्रकार के उपकरण या जुगाड़ प्रयोग में लाए जाते हैं।

वहीं अमृतसर के रहने वाले एक मृत व्यक्ति के कमरे से पोनोग्राफी सामग्री भी मौजूद मिली थी। यहां जांचकर्ताओं का अनुमान है कि वह कामोत्तेजना का सुख हासिल करने के प्रयास में मौत के मुंह में चला गया। एक आदमी की माछीवाड़ा कस्बे में घर के तहखाने में मौत हो गई, उसने अपने आप को जंजीरों में बांध रखा था।

फिरोजपुर के एक नामी पत्रकार का कहना है कि कई मामले समाचार पत्रों में नहीं आते, लेकिन उनकी संख्या वास्तविकता में कहीं अधिक होती है। ऐसी मौतों के शिकार लोगों के रिश्तेदार प्रायः सामाजिक शर्मिंदगी से बचने के लिए ऐसे मामलों की पुलिस में रिपोर्ट नहीं करते।

वहीं जालंधर के रहने वाले 16 वर्षीय युवा को हस्तमैथुन की इतनी भयंकर आदत थी कि उसके माता-पिता रात्रि को सोते समय उसकी दोनों भुजाओं को पलंग से बांध देते थे।

डॉक्टर ऋचा शर्मा का कहना है कि ऐसे रोगियों को प्रायः रात्रि के समय नशे की डोज दी जाती है ताकि वह नींद में ऐसी हरकतें ना कर सके। ग्रामीण क्षेत्रों में जिन युवाओं के विवाह में देरी हो रही है उनमें यह रोग बड़ी तेजी से फैल रहा है लेकिन मरीज ऐसी बीमारियों का इलाज करने से शर्माते हैं और डॉक्टरों को दिखाने से परहेज करते हैं।

समाज में बढ़ती इस बुराई को दूर करने के लिए समाजसेवी संस्थाओं को भी समाज को जागृत करना चाहिए। पंजाब सरकार के स्वास्थ्य विभाग को भी नौजवानों को इस समस्या से दूर रहने के लिए शीघ्र अभियान छेड़ने की जरूरत है।

पिछले दिनों प्रभातशाह वाला गांव में एक नौजवान को जंजीरों से बंधा पाया गया, जब पंजाब पुलिस की टीम वहां गई तो उसके मां-बाप ने दुख भरी दास्तां बताते हुए कहा कि यह दिन रात हस्तमैथुन का आदी है। अतः हमने दुखी होकर इसे जंजीरों में बंद किया है। वहीं दिल्ली ऑल इंडिया मेडिकल के सेक्स स्पेशलिस्ट डॉक्टर अर्जुन त्रिवेदी का कहना है कि पंजाब और हरियाणा में विवाह में देरी हो रही है, जिसके कारण नौजवान सेक्स संतुष्टि के लिए हस्तमैथुन का आसान रास्ता अपना रहे है। उन्होंने आगे यह कहा कि समाज में पोर्न पिक्चरों की बुराई भी नौजवानों को मुश्किल में डाल रही है।

(चिंतन-मनन)

प्रतिभा की पहचान

यूनान के किसी गांव का एक लड़का लकड़ियां काटकर गुजारा करता था। वह दिन भर जंगल में लकड़ियां काटता और शाम को पास के शहर के बाजार में उन्हें बेच देता था। एक दिन एक विद्वान व्यक्ति बाजार से जा रहा था। उसकी नजर बालक के गट्ठर पर पड़ी जो बेहद कलात्मक ढंग से बंधा था। उसने उस लड़के से पूछा- क्या यह गट्ठर तुमने खुद बांधा है? लड़के ने जवाब दिया- जी हां, मैं दिन भर लकड़ी काटता हूं, स्वयं गट्ठर बांधता हूं और रोज शाम को बाजार में बेच देता हूं। उस व्यक्ति ने कहा- क्या तुम इसे खोलकर इसी प्रकार दोबारा बांध सकते हो? लड़के ने गट्ठर खोला तथा बड़े ही सुंदर तरीके से उसे फिर बांध दिया। यह कार्य वह बड़े ध्यान, लगन और फुर्ती के साथ कर रहा था।

लड़के की एकाग्रता, लगन तथा कलात्मक रीति से काम करने के तरीके ने उस व्यक्ति को काफी प्रभावित किया। उसे बच्चे में काफी संभावना नजर आई। उसने पूछा- क्या तुम मेरे साथ चलोगे? मैं तुम्हें अपने साथ रखूंगा, शिक्षा दिलाऊंगा। तुम्हारा सारा खर्चा मैं उठाऊंगा। बालक ने सोच-विचार कर अपनी स्वीकृति दे दी और उसके साथ चला गया। उस व्यक्ति ने बालक के रहने और उसकी शिक्षा का प्रबंध किया।

भारतीय आर्थिक दर्शन एवं प्राचीन भारत में आर्थिक विकास

–प्रहलाद सबनानी–

भारत में वेदों, पुराणों एवं शास्त्रों में यह कहा गया है कि मानव जीवन हमें मोक्ष प्राप्त करने के लिए प्राप्त हुआ है। मोक्ष प्राप्ति के लिए अच्छे कर्मों का करना आवश्यक है। अच्छे कर्म अर्थात हमारे किसी कार्य से किसी पशु, पक्षी, जीव, जंतु को कोई दुःख नहीं पहुंचे एवं सर्व समाज की भलाई के कार्य करते रहें। अर्थात, इस धरा पर निवास करने वाले प्रत्येक प्राणी का कल्याण हो, मंगल हो। ऐसी कामना भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में की जाती है।

इसी प्रकार, धर्म के महत्व को स्वीकार करते हुए कौटिल्य के अर्थशास्त्र, नारद की नारद स्मृति और याग्वल्य की याग्वल्य स्मृति में कहा गया है कि ह्यअर्थशास्त्रास्तु बलवत धर्मशास्त्र नीतिस्थितिह्ल। अर्थात, यदि अर्थशास्त्र के सिद्धांत एवं नैतिकता के सिद्धांत के बीच कभी विवाद उत्पन्न हो जाए तो दोनों में से किसे चुनना चाहिए। कौटिल्य, नारद एवं याग्वल्य कहते हैं कि अर्थशास्त्र के सिद्धांतों की तुलना में यानी केवल पैसा कमाने के सिद्धांतों की तुलना में हमको धर्मशास्त्र के सिद्धांत अर्थात नैतिकता, संयम, जिससे समाज का भला होता हो, उसको चुनना चाहिए। कुल मिलाकर अर्थतंत्र धर्म के आधार पर चलना चाहिए। गुनार मृडल जिनको नोबल पुरस्कार प्राप्त हुआ था एवं जिनकी ह्यएशियन ड्रामाह्ल नामक पुस्तक बहुत मशहूर हुई थी। उन्होंने एक और छोटी किताब लिखी है जिसका नाम है ह्यअगेन्स्ट द स्ट्रीमह्ल। इस किताब में उन्होंने अर्थशास्त्र को एक नैतिक विज्ञान बताया है। कुछ वर्ष पूर्व अखबारों में एक खबर छपी थी कि विश्व बैंक ने यह जानने के लिए एक अध्ययन प्रारम्भ किया है कि विकास में आध्यात्म की कितनी भूमिका है। इसी प्रकार दुनिया में यह जानने का प्रयास भी किया जा रहा है कि दरिद्रता मिटाने में धर्म की क्या भूमिका हो सकती है।

प्राचीन भारत के वेद-पुराणों में धन अर्जित करने को बुरा नहीं माना गया है। प्राचीन काल में वेदों का एक भाष्यकार हो गया है, जिसका नाम यासक था। यासक ने ह्यनिघंटूह्ल नामक ग्रंथ में धन के 28 समानार्थ शब्द बताए हैं, और प्रत्येक शब्द का अलग अलग अर्थ है। दुनिया की किसी पुस्तक में अथवा किसी अर्थशास्त्र की किताब में धन के 28 समानार्थ शब्द नहीं मिलते हैं। भारत के शास्त्रों में धन के सम्बंध में उच्च विचार बताए गए हैं। भारत के शास्त्रों ने अर्थ के क्षेत्र को हेय दृष्टि से नहीं देखा है एवं यह भी कभी नहीं कहा है कि धन अर्जन नहीं करना चाहिए, पैसा नहीं कमाना चाहिए, उत्पादन नहीं बढ़ाना चाहिए। बल्कि दरिद्रता एवं गरीबी को पाप बताया गया है। हां, वेदों में यह जरूर कहा गया है कि जो भी धन कमाओ वह शुद्ध होना चाहिए। ह्यब्लैक मनीह्ल नहीं होना चाहिए, भ्रष्टाचार करके धन नहीं कमाना चाहिए, स्मग्लिंग करके धन नहीं कमाना चाहिए, कानून का उल्लंघन करते हुए धन अर्जन नहीं करना चाहिए, ग्राहक को धोखा देकर धन नहीं कमाना चाहिए। मनु स्मृति में तो मनु महाराज ने कहा है कि सब प्रकार की शुद्धियों में सर्वाधिक महत्व की शुद्धि अर्थ की शुद्धि है। भारतीय शास्त्रों में खूब धन अर्जन करने के बाद इसके उपयोग के सम्बंध में व्याख्या की गई है। अर्जित किए धन को केवल अपने लिए उपभोग करना, उस धन से केवल ऐय्याशी करना, केवल अपने लिए काम में लेना, अपने परिवार के लिए मौज मस्ती करना, आदि को ठीक नहीं माना गया है। अर्जित किए गए धन को समाज के साथ मिल बांटकर, समाज के हितार्थ उपयोग करना चाहिए।

भारत के प्राचीन ग्रंथों में जीवन के उद्देश्य को पुरुषार्थ से जोड़ते हुआ यह कहा गया है कि धर्म, अर्थ, काम एवं मोक्ष, इन चारों बातों पर विचार करके मनुष्य को सुखी करने के सम्बंध में विचार किया जाना चाहिए। इसी विचार के चलते भारत के मनीषियों द्वारा अर्थ और काम को नकारा नहीं गया है। कई बार भारत के बारे में वैश्विक स्तर पर इस प्रकार की भ्रांतियां फैलाने का प्रयास किया जाता रहा है कि भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति में तो अर्थ और काम को नकार दिया गया है। प्राचीन काल में भी ऐसा कतई नहीं हुआ है। अगर, ऐसा हुआ होता तो भारत सोने की चिड़िया कैसे बनता? हां, भारत के प्राचीन शास्त्रों में यह जरूर कहा गया है कि अर्थ और काम को बेलगाम नहीं छोड़ना चाहिए। अर्थ और काम को मयार्दा में ही रहना चाहिए। धन अर्जित करने पर किसी भी प्रकार का प्रतिबंध नहीं है परंतु यह धर्म का पालन करते हुए कमाना चाहिए। अर्थात, अर्थ को धर्म के साथ जोड़ दिया गया है। इसी प्रकार काम को भी धर्म के साथ जोड़ा गया है। उपभोग यदि धर्म सम्मत और मर्यादित होगा तो इस धरा का दोहन भी सीमा के अंदर ही रहेगा। अतः कुल मिलाकर अर्थशास्त्र में भी नैतिकता का पालन होना चाहिए। प्राचीन भारतीय अर्थशास्त्र एवं वर्तमान अर्थशास्त्र में यह भी एक बहुत बड़ा अंतर है। आजकल कहा जाता है कि नीति का अर्थशास्त्र से कोई लेना देना नहीं है। जबकि वस्तुतः ऐसी कोई भी अर्थव्यवस्था, अर्थतंत्र और विकास का कोई भी तंत्र जिसमें नैतिकता को स्वीकार न किया जाय वह चल नहीं सकती और वह समाज का भला नहीं कर सकती।

अर्थ को प्रदान किए गए महत्व के चलते ही प्राचीनकाल में भारत में दूध की नदियां बहती थीं, भारत को सोने की चिड़िया कहा जाता था, भारत का आध्यात्मिक, धार्मिक, सामाजिक एवं आर्थिक दृष्टि से पूरे विश्व में बोलबाला था। भारत के ग्रामीण इलाकों में निवास कर रहे नागरिक बहुत सम्पन्न हुआ करते थे। कृषि उत्पादकता की दृष्टि से भी भारत का पूरे विश्व में डंका बजता था तथा खाद्य सामग्री एवं कपड़े आदि उत्पादों का निर्यात भारत से पूरे विश्व को होता था। भारत के नागरिकों में देश प्रेम की भावना कूट कूट कर भरी रहती थी तथा उस खंडकाल में भारत का वैभव काल चल रहा था, जिसके चलते ग्रामीण इलाकों में नागरिक आपस में भाई चारे के साथ रहते थे एवं आपस में सहयोग करते थे। केवल ह्यमैंह्ल ही तरक्की करूं इस प्रकार की भावना का सर्वथा अभाव था एवं ह्यहमह्ल सभी मिलकर आगे बढ़ें, इस भावना के साथ ग्रामीण इलाकों में नागरिक प्रसन्नता के साथ अपने अपने कार्य में व्यस्त एवं मस्त रहते थे।

प्राचीन काल में भारत में भव्यता के स्थान पर दिव्यता को अधिक महत्व दिया जाता रहा है। भव्यता का प्रयोग सामान्यतः स्वयं के विकास के लिए किया जाता है। जबकि दिव्यता का उपयोग समाज के विकास में आपकी भूमिका को आंकने के पश्चात किया जाता है। भव्यता दिखावा है, भव्यता प्रदर्शन है, अतः केवल भव्यता के कारण किसी का जीवन ऊंचाईयों को नहीं छू सकता है, इसके लिए दिव्यता होनी चाहिए, अर्थात समाज की भलाई के लिए अधिक से अधिक कार्य करना होता है।

अर्थ को धर्म से जोड़ने के साथ ही, प्रकृति के संरक्षण की बात भी भारतीय पुराणों में मुखर रूप से कही गई है। भारतीय सनातन हिंदू संस्कृति के अनुसार नदियों, पहाड़ों, जंगलों, जीव जंतुओं में भी देवताओं का वास है, ऐसा माना जाता है। इसीलिए यह कहा गया है कि इस पृथ्वी पर उपलब्ध संसाधनों का दोहन करें, शोषण नहीं करें। सर जगदीश चंद्र बसु ने एक परीक्षण किया और इस परीक्षण के माध्यम से यह सिद्ध किया कि पेड़ पौधों में भी वैसी ही संवेदना होती है जैसी मनुष्यों में संवेदना होती है। जिस प्रकार मनुष्य रोता है, हंसता है, प्रसन्न होता है, नाराज होता है, इसी प्रकार की संवेदनाएं पेड़ पौधों में भी पाई जाती हैं। सर जगदीश चंद्र बसु ने वैज्ञानिक तरीके से जब यह सिद्ध किया तो दुनिया में तहलका मच गया। जबकि भारतीय शास्त्रों में तो इन बातों का वर्णन सदियों पूर्व ही मिलता है। जब इन तथ्यों को वैज्ञानिक आधार दिया गया तो अब पूरी दुनिया भारत के इन प्राचीन विचारों पर साथ खड़ी नजर आती है। भारतीय मनीषियों ने इसीलिए यह बार बार कहा है कि पेड़ पौधों की रक्षा करें, इन्हें काटें नहीं। क्योंकि, इससे पर्यावरण की रक्षा तो होती ही है, साथ ही, पेड़, पौधों के रूप में एक प्रकार से किसी प्राणी की हत्या करने से भी बचा जा सकता है।

भारतीय संस्कृति में यह भावना रही है कि व्यक्ति का सम्पूर्ण विकास हो एवं उसे पूर्ण सुख की प्राप्ति हो। इसलिए, उक्त उद्देश्य को प्राप्त करने के लिए ही देश में सामाजिक एवं आर्थिक रचना होनी चाहिए। प्राचीन भारत में इसी नाते व्यक्ति को मान्यता देने के साथ साथ परिवार को भी मान्यता दी गई है। परिवार को समाज में न्यूनतम इकाई माना गया है। व्यक्तियों से परिवार, परिवारों से समाज, समाज से देश और देशों से विश्व बनता है। अतः कुटुंब को भारतीय समाज में अत्यधिक महत्व दिया गया है।

भारतीय शास्त्रों में कुल मिलाकर यह वर्णन मिलता है कि प्राचीन भारत के लगभग प्रत्येक परिवार में गाय के रूप में पर्याप्त मात्रा में पशुधन उपलब्ध रहता था जिससे प्रत्येक परिवार की आर्थिक आवश्यकताओं की पूर्ति बहुत आसानी से हो जाती थी। गाय के गोबर एवं गौमूत्र से देसी खाद का निर्माण किया जाता था जिसे कृषि कार्यों में उपयोग किया जाता था एवं गाय के दूध को घर में उपयोग करने के बाद इससे दही, घी एवं मक्खन आदि पदार्थों का निर्माण कर इसे बाजार में बेच भी दिया जाता था। इसी प्रकार गौमूत्र से कुछ आयुर्वेदिक दवाईयों का निर्माण भी किया जाता था। अतः कुल मिलाकर परिवार एवं समाज में किसी भी प्रकार की गतिविधि सम्पन्न करने के लिए अर्थ की आवश्यकता महसूस होती है।

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियां

–प्रियंका सौरभ–

एशिया में चीन के बढ़ते सैन्य प्रभुत्व ने क्षेत्रीय सुरक्षा परिदृश्य को काफी बदल दिया है, जिससे उसके पड़ोसियों में चिंता पैदा हो गई है। उन्नत सैन्य क्षमताओं, रणनीतिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं और मुखर क्षेत्रीय दावों के साथ, चीन ने पूरे हिंद-प्रशांत क्षेत्र में अपना प्रभाव बढ़ाया है। इसने क्षेत्रीय स्थिरता के लिए गंभीर चुनौतियाँ खड़ी कर दी हैं, जिससे भारत जैसे देशों को अपने हितों की रक्षा करने और शांति बनाए रखने के लिए रणनीतिक प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व द्वारा उत्पन्न चुनौतियाँ क्षेत्रीय विवाद और विस्तारवाद हैं। एशिया में चीन के सैन्य प्रभुत्व से उत्पन्न चुनौतियाँ दक्षिण चीन सागर और भारत-चीन सीमा पर चीन के क्षेत्रीय दावे क्षेत्रीय स्थिरता को चुनौती देते हैं, जिससे अक्सर सैन्य टकराव होते रहते हैं। दक्षिण चीन सागर में चीन के नाइन-डैश लाइन के दावे के कारण कई दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ विवाद पैदा हो गया है, जिससे नेविगेशन की स्वतंत्रता और क्षेत्रीय शांति कमजोर हो गई है। चीन की बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव (बीआरआई) ने प्रमुख क्षेत्रों में सैन्य संपत्तियों के निर्माण की अनुमति दी है, जिससे पड़ोसी देशों के पास उसकी सैन्य उपस्थिति बढ़ गई है। जिबूती में एक सैन्य अड्डे और श्रीलंका और पाकिस्तान में रणनीतिक बंदरगाहों के निर्माण से हिंद महासागर क्षेत्र में चीन का प्रभाव बढ़ता है, जिससे भारत की सुरक्षा चिंताएँ प्रभावित होती हैं। चीन का नौसैनिक विस्तार और सैन्य आधुनिकीकरण इंडो-पैसिफिक में शक्ति संतुलन के लिए सीधी चुनौती है, जहाँ जापान, ऑस्ट्रेलिया और भारत जैसे देश चिंतित हैं। इंडो-पैसिफिक में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति और ताइवान स्ट्रेट और मलक्का स्ट्रेट के पास लगातार सैन्य अभ्यास ने क्षेत्रीय सुरक्षा के बारे में चिंता बढ़ा दी है। चीन की सैन्य ताकत अक्सर उसके आर्थिक प्रभाव के साथ-साथ चलती है, जिसका उपयोग वह क्षेत्रीय प्रभुत्व को सुरक्षित करने और छोटे देशों की रणनीतिक स्वायत्तता को सीमित करने के लिए करता है। श्रीलंका में चीन की ऋण-जाल कूटनीति, हिंद महासागर में इसकी सैन्य उपस्थिति के साथ मिलकर, इस बात पर प्रकाश डालती है कि कैसे आर्थिक निर्भरता सैन्य उत्तोलन में तब्दील हो सकती है। चीन का सैन्य निर्माण उसके पड़ोसियों के लिए एक निवारक के रूप में कार्य करता है, जिससे वे चीनी आक्रामकता का सामना करने में झिझकते हैं, जो क्षेत्रीय सुरक्षा को बाधित कर सकता है। भारत और चीन के बीच 2017 का डोकलाम गतिरोध क्षेत्रीय दावों पर जोर देने के लिए चीन द्वारा सैन्य मुद्रा का उपयोग करने का उदाहरण है, जिससे अपने क्षेत्रीय पड़ोसियों के साथ भारत के सम्बंधों पर असर पड़ा। चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया राष्ट्रीय हितों की रक्षा करते हुए रणनीतिक गठबंधनों को मजबूत कर रही है। भारत ने विशेष रूप से भारत-प्रशांत क्षेत्र में चीन के बढ़ते प्रभाव का मुकाबला करने के लिए रणनीतिक गठबंधन बनाने पर ध्यान केंद्रित किया है। अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के साथ क्वाड (चतुर्भुज सुरक्षा वार्ता) में भारत की भागीदारी सैन्य सहयोग को मजबूत करती है और चीन के मुखर व्यवहार के लिए सामूहिक प्रतिक्रिया सुनिश्चित करती है। भारत को चीनी आक्रामकता को प्रभावी ढंग से रोकने के लिए अपनी रक्षा क्षमताओं को बढ़ाना चाहिए, खासकर साइबर युद्ध, अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी और मिसाइल रक्षा जैसे क्षेत्रों में। रूस से भारत की एस-400 मिसाइल प्रणाली की खरीद और ब्रह्मोस मिसाइल विकास चीन की बढ़ती मिसाइल और वायु शक्ति के खिलाफ इसकी रक्षा को मजबूत करता है। आर्थिक आत्मनिर्भरता और रणनीतिक साझेदारी भारत को राष्ट्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देने, चीन के आर्थिक उत्तोलन के प्रति अपनी भेद्यता को कम करने में मदद कर सकती है। आत्मनिर्भर भारत पहल भारत को महत्त्वपूर्ण रक्षा प्रौद्योगिकियों के लिए चीन पर निर्भरता कम करते हुए स्वदेशी रक्षा उत्पादन पर ध्यान केंद्रित करने के लिए प्रोत्साहित करती है। हिंद महासागर में चीन की बढ़ती नौसैनिक उपस्थिति का मुकाबला करने के लिए अपनी समुद्री सीमाओं को सुरक्षित करने और नौसैनिक क्षमताओं को बढ़ाने पर भारत का ध्यान महत्त्वपूर्ण है। भारत ने चीन के प्रभाव का मुकाबला करने के लिए हिंद महासागर और दक्षिण चीन सागर में नेविगेशन की स्वतंत्रता पर ध्यान केंद्रित करते हुए जापान और ऑस्ट्रेलिया जैसे देशों के साथ नौसैनिक सहयोग को मजबूत किया है। भारत को दक्षिण पूर्व एशियाई देशों के साथ सम्बंधों को मजबूत करने के लिए सॉफ्ट पावर का उपयोग करते हुए चीन की विस्तारवादी नीतियों के खिलाफ क्षेत्रीय सहमति बनाने के लिए राजनयिक प्रयासों में भी शामिल होना चाहिए। आसियान मंचों पर भारत की सक्रिय भूमिका और इसकी एक्ट ईस्ट नीति दक्षिण पूर्व एशिया के साथ घनिष्ठ सम्बंधों को बढ़ावा देती है, जिससे क्षेत्र में चीन के आर्थिक और सैन्य प्रभुत्व का मुकाबला होता है। चीन के सैन्य प्रभुत्व के प्रति भारत की प्रतिक्रिया क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देते हुए बहुपक्षीय सहयोग को प्रोत्साहित कर रही है। भारत को क्षेत्रीय सुरक्षा चिंताओं को दूर करने और भारत-प्रशांत देशों के बीच बातचीत को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय ढांचे को बढ़ावा देना चाहिए। पूर्वी एशिया शिखर सम्मेलन और शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) में भारत की भागीदारी चीन के प्रभाव का मुकाबला करने सहित सुरक्षा मुद्दों पर सहयोग को बढ़ावा देती है। भारत बाहरी दबावों के खिलाफ अपनी संप्रभुता का दावा करने में छोटे देशों का समर्थन करके क्षेत्रीय स्वायत्तता और आत्मनिर्भरता को मजबूत कर सकता है। एमजीसी (मेकांग-गंगा सहयोग) जैसी परियोजनाओं के माध्यम से चीनी आर्थिक प्रभाव का विरोध करने में श्रीलंका और नेपाल को भारत का समर्थन स्वायत्तता को बढ़ावा देने का उदाहरण है। भारत को क्षेत्रीय तनाव कम करने के लिए रक्षा खर्च और सैन्य गतिविधियों में पारदर्शिता के महत्त्व पर जोर देना चाहिए। भारत का खुला रक्षा बजट और संयुक्त राष्ट्र शांति मिशनों में भागीदारी क्षेत्रीय विश्वास में योगदान करती है और संघर्ष के जोखिम को कम करती है। समावेशी आर्थिक विकास को बढ़ावा देकर और समान विकास सुनिश्चित करके, भारत चीन की आर्थिक जबरदस्ती का मुकाबला कर सकता है और अधिक स्थिर क्षेत्रीय सम्बंध बना सकता है।

बुनियादी ढांचे में सुधार और आसियान देशों के साथ व्यापार को बढ़ावा देने पर भारत का ध्यान चीनी परियोजनाओं पर उनकी निर्भरता को कम करता है। भारत को क्षेत्र में स्थिरता बनाए रखने के लिए राजनयिक चैनलों के माध्यम से शांतिपूर्ण संघर्ष समाधान तंत्र को सक्रिय रूप से बढ़ावा देना चाहिए। भारत-चीन सीमा वार्ता में भारत की भागीदारी और दक्षिण चीन सागर विवादों पर आसियान के नेतृत्व वाली बातचीत का समर्थन क्षेत्रीय शांति के प्रति उसकी प्रतिबद्धता का उदाहरण है। जैसे-जैसे वैश्विक शक्ति की गतिशीलता बदलती है, भारत जैसे देशों को क्षेत्रीय स्थिरता को बढ़ावा देने के लिए राजनयिक और रक्षात्मक उपायों में संलग्न रहना जारी रखना चाहिए। रणनीतिक साझेदारी, रक्षा क्षमताओं के आधुनिकीकरण और राजनयिक जुड़ाव के सही संयोजन के साथ, भारत शांतिपूर्ण और स्थिर एशिया में योगदान करते हुए अपने हितों को सुरक्षित कर सकता है।

बाल विवाह मुक्ति बेटियों को खुला आसमान देगा

–ललित गर्ग–

देश में बाल विवाह की प्रथा को रोकने, बढ़ते बाल-विवाह से प्रभावित बच्चों के जीवन को इन त्रासद परम्परागत रूढ़ियों की बेड़ियों से मुक्ति दिलाने के लिये सरकार ने बाल-विवाह मुक्त भारत अभियान की शुरूआत करके एक सराहनीय एवं स्वागतयोग्य उपक्रम से हिम्मत और बदलाव की मिसाल कायम की है। यह एक शुभ संकेत एवं श्रेयस्कर जीवन की दिशा है। यह किसी समाज के लिये बेहद नकारात्मक टिप्पणी है कि सदियों के प्रयास के बावजूद वहां बाल विवाह की कुप्रथा विद्यमान है। यहां यह विचारणीय तथ्य है कि समाज में ऐसी प्रतिगामी सोच क्यों पनपती है? क्यों लोग परंपराओं के खूंटे से बंधकर अपने मासूस बच्चों एवं बचपन से खिलवाड़ करते हैं? हमें यह भी सोचना होगा कि कानून की कसौटी पर अस्वीकार्य होने के बावजूद बाल विवाह की परंपरा क्यों जारी है? ह्यबाल विवाह मुक्त भारत अभियानह्ल की शुरूआत दूरगामी मानवीय सोच से जुड़ा एक संवेदनशील आह्वान एक नई सुबह की आहट एवं क्रांति के विस्फोट की संभावना है। यह अभियान सिर्फ एक कार्यक्रम नहीं है, बल्कि एक संकल्प है, एक रोशनी है, एक मंजिल है, एक सकारात्मक दिशा है। एक वादा है देशभर में बाल विवाह पर जागरूकता फैलाने और समाप्त करने का। यह नये भारत-सशक्त भारत की बुनियाद है। बाल विवाह रोकने के तमाम कार्यों, योजनाओं और कानूनों के बावजूद अगर कामयाबी नहीं मिल रही है, तो जाहिर है, एक विशेष अभियान छेड़कर केन्द्र सरकार ने सराहनीय कदम उठाया है। यह राष्ट्रीय अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 22 जनवरी, 2015 को शुरू की गई प्रमुख योजना ह्यबेटी बचाओ बेटी पढ़ाओह्ल की सफलता से प्रेरित है, जो विकसित भारत के दृष्टिकोण को साकार करने के लिए लड़कियों के बीच शिक्षा, कौशल, उद्यम और उद्यमिता को बढ़ावा देने एवं बेटियों की आशाओं, आकांक्षाओं, संकल्पों से भरे सपनों की उड़ान को खुला आसमान देने में सक्षम होगा।

यह सुखद बात है कि बाल विवाह मुक्त भारत बनाने के लिए सरकार ने सभी राज्यों और केंद्रशासित प्रदेशों से 2029 तब बाल विवाह की दर को पांच प्रतिशत से नीचे लाने के मकसद से विशेष कार्य योजना बनाने का आग्रह किया है। यह बचपन की मासूमियत छीनने वाली ह्यबालविवाहह्ल की बेड़ियों को तोड़ते हुए जागृति का एक शंखनाद किया है, एक समाज-क्रांति के बीज को रोपा गया है। सभी जानते हैं कि कम आयु के बच्चे अपने भविष्य के जीवन के बारे में परिपक्व फैसला लेने में सक्षम नहीं होते। साथ ही वे इस स्थिति में भी नहीं होते कि उनके जीवन पर थोपे जा रहे फैसले का मुखर विरोध कर सकें। उनके सामने आर्थिक स्वावलंबन का भी प्रश्न होता है। लेकिन अभिभावक क्यों इस मामले में दूरदृष्टि नहीं रखते? सही मायने में बाल विवाह बच्चों के भविष्य से खिलवाड़ ही है। इसीलिये बाल-विवाह पर दायर एक याचिका पर सुनवाई करते हुए हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने भी कहा कि कानून परंपराओं से ऊपर है। कोर्ट का कथन तार्किक है कि जिन बच्चों की कम उम्र में शादी करा दी जाती है क्या वे इस मामले में तार्किक व परिपक्व सोच रखते हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा भी है कि यह समय की मांग है कि इस कानून को लागू करने के मार्ग में आने वाली बाधाओं को दूर किया जाए। इस बाबत उन समुदायों व धर्मों के लोगों को बताया जाना चाहिए कि बाल विवाह कराया जाना एक आत्मघाती कदम है। यह समझना कठिन नहीं है कि कम उम्र में विवाह कालांतर जच्चा-बच्चा के स्वास्थ्य के लिये भी घातक साबित होता है। उनकी पढ़ाई ठीक से नहीं हो पाती और वे अपनी आकांक्षाओं का कैरियर भी नहीं बना सकते। ऐसे में सुप्रीम कोर्ट का कथन इस सामाजिक बुराई के उन्मूलन में मार्गदर्शक की भूमिका निभाता है। केंद्रीय मंत्री ने उचित ही कहा है कि बाल विवाह मानवधिकारों का उल्लंघन और कानून के तहत अपराध है। अच्छी बात है, सरकार ने अब एक तरह से मान लिया है कि कानून को जितना काम करना था, उसने किया इसके आगे अब विशेष अभियान की जरूरत है। बाल विवाह को रोकने के लिए अकेले कानून के भरोसे न बैठते हुए ठोस जागृति-अभियान की अपेक्षा है। अब सरकार ने इस सामाजिक बुराई को जड़ से समाप्त करने के लिये कमर कसी है, तो उसका स्वागत होना चाहिए एवं इस अभियान को व्यापक रूप देना चाहिए।

बाल विवाह की कुरीति को देश में व्यापकता से देखने को मिलना दुर्भाग्यपूर्ण है। यह मानवाधिकार उल्लंघन का सबसे खराब स्वरूप है। ठोस प्रयासों के बावजूद आज भी लगभग पांच में से एक लड़की का विवाह विधि सम्मत आयु 18 वर्ष से पहले कर दिया जाता है। किसी शहर में अगर एक विवाह सत्र में 1000 शादियां होती हैं, तो उनमें से 200 शादियों में दुल्हन की उम्र शादी लायक वैध नहीं होती। बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी ने बुधवार को यह भी बताया कि पिछले एक साल में लगभग दो लाख बाल विवाह रोके गए हैं। मतलब, सामाजिक संस्थाएं और पुलिस काम तो कर रही हैं, पर मंजिल अभी दूर है। बाल विवाह की सर्वाधिक संख्या पश्चिम बंगाल, त्रिपुरा, राजस्थान, बिहार, झारखण्ड, असम और आंध्रप्रदेश में है। देश में 300 ऐसे जिले हैं, जहां बाल विवाह की दर राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। ऐसा लग रहा है, लोग बेटियों का जीवन तो बचा रहे हैं, प्राथमिक शिक्षा भी देने लगे हैं, पर उन्हें अधिक पढ़ाने और आगे बढ़ाने पर उनका ध्यान नहीं है। बेटियों की जब कम उम्र में शादी होती हैं तो श्रम बल के रूप में न केवल उनकी उत्पादकता, बल्कि देश की क्षमता पर भी असर पड़ता है।

बाल विवाह मुक्त भारत अभियान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वर्ष 2047 तक ह्यविकसित भारतह्ल की भविष्य दृष्टि से प्रेरित नये समाज की संरचना का दूरगामी प्रकल्प है। बच्चों पर बाल विवाह थोपना उनके अपनी पसंद का जीवनसाथी चुनने की स्वतंत्र इच्छा का भी दमन है। भले ही मजबूरी में वे इस थोपे हुए विवाह के लिये राजी हो जाएं, लेकिन उसकी कसक जीवन पर्यंत बनी रहती है। जो उनके स्वाभाविक विकास में एक बड़ी बाधा बन जाता है। निश्चय ही इस बाबत बदलाव लाने के लिये कानून में जरूरी बदलाव लाने के साथ ही समाज में जागरूकता लाने की भी जरूरत है। इन सब दृष्टियों से यह अभियान सदियों से चली आ रही इस त्रासद परम्परा से मुक्ति का माध्यम बनेगा। पढ़ी-लिखी लड़की अगर विवाह-योग्य उम्र से ब्याही जाए, तो वह परिवार और समाज के लिए उन्नति का मार्ग प्रशस्त करती है। कम उम्र में विवाह से न केवल संतानों की गुणवत्ता बल्कि परिवार की आर्थिक, सामाजिक और मनावैज्ञानिक क्षमता पर भी असर पड़ता है।

संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट में यह कहा गया है कि बाल विवाह दर में सबसे महत्वपूर्ण वैश्विक गिरावट दक्षिण एशियाई देशों में देखी गई है, जिसमें भारत ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। नए अभियान के अन्तर्गत इस परम्परागत विसंगति एवं विडम्बना को दूर करने के लिये व्यापक प्रयत्न किये जायेंगे। प्रारंभिक कार्ययोजना के अन्तर्गत बाल विवाह रोकने के लिए बाल विवाह मुक्त भारत पोर्टल का भी शुभारंभ किया गया है। इस पोर्टल के जरिये बाल विवाह के विरोध में जागरूकता बढ़ाई जाएगी, बाल विवाह की शिकायत भी यहां दर्ज कराई जा सकती है एवं कार्य प्रगति की निगरानी भी की जाएगी। इस पोर्टल को सही ढंग से चलाया गया, गांवों और पंचायतों से जोड़ लिया गया, तो इसके सकारात्मक परिणाम आ सकते है। बाल विवाह मुक्त अभियान देश भर में युवा लड़कियों के सशक्तिकरण के सरकार के प्रयासों का प्रमाण है। यह प्रगतिशील और समतापूर्ण समाज सुनिश्चित कर हर बच्चे की क्षमता को पूर्णता से साकार करेगा। इस अभियान का संदेश 25 करोड़ नागरिकों तक पहुंचने की उम्मीद है। यह निर्विवाद है कि देश को विकसित बनाने के लिए महिलाओं की पूरी शक्ति का उपयोग जरूरी है और महिला शक्ति बढ़ाने के लिए बाल विवाह को रोकना ही होगा। आज सामाजिक सोच एवं ढांचे में परिवर्तन लाने की शुरूआत हो गयी है, इसमें सृजनशील सामाजिक संस्थाओं का योगदान भी महत्वपूर्ण होगा। आवश्यकता है वे अपने सम्पूर्ण दायित्व के साथ आगे आये। अंधेरे को कोसने से बेहतर है, हम एक मोमबत्ती जलाएं।

देहरादून एसएसपी की दो टूक, मुकदमों की पैरवी में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त, SSP ने सभी कोर्ट पैरोकारों के साथ गोष्टी कर दिए निर्देश

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून एसएसपी की कोर्ट पैरोकारों को दो टूक में कहा कि मुकदमों की पैरवी में लापरवाही बर्दाश्त नहीं होगी। एसएसपी देहरादून द्वारा सभी कोर्ट पैरोकारो के साथ गोष्टी कर निर्देश दिए गए। साथ ही एसएसपी ने न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों में सभी गवाहों के समय से बयान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।लापरवाही बरतने वालो के विरुद्ध सख्त कार्यवाही की चेतावनी दी।

आज एसएसपी देहरादून द्वारा देहरादून के विभिन्न न्यायालयो में नियुक्त कोर्ट पैरोकारों की मीटिंग ली गयी। मीटिंग के दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा सभी पैरोकारों के कॉज रजिस्टर चैक किये गए।इस दौरान एसएसपी देहरादून द्वारा सभी कोर्ट पैरोकारों को मा0 न्यायालय में विचाराधीन मुकदमों में सभी गवाहों के समय से मा0 न्यायालय के समक्ष बयान सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए गए, जिससे विचाराधीन मुकदमों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित की जा सके। साथ ही उपस्थित सभी कर्मचारियों को स्पष्ट हिदायत दी कि कार्य के प्रति लापरवाही अथवा शिथिलता बरतने संबंधित किसी भी शिकायत को नजरअंदाज नहीं किया जायेगा, ऐसे कर्मियों के विरुद्ध विभागीय कार्यवाही की जायेगी।

नशा तस्करो के विरूद्ध हरिद्वार पुलिस की ताबडतोड कार्यवाही

नशा मुक्त देवभूमि-2025 अभियान को साकार बनाने में जुटी हरिद्वार पुलिस

चैकिंग के दौरान मो0सा0 सहित एक अभियुक्त को अवैध स्मैक के साथ धर दबोचा

अभि0 के कब्जे से एक मो0सा0 व 8.32 ग्राम स्मैक की बरामद

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

नशा मुक्त देवभूमि-2025 अभियान के अन्तर्गत वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के आदेश के अनुपालन में कोतवाली रानीपुर पुलिस द्वारा अवैध मादक पदार्थो/नशा तस्करो के विरूद्ध लगातार अभियान चलाकर छापेमारी की कार्यवाही की जा रही है,

इसी अभियान के क्रम में दिनांक 30.11.2024 की रात्रि को दौराने चैकिंग शिवालिक नगर स्थित जे0के0टी0 आउटर के पास कृपाल नगर को जाने वाले रास्ते से अभियुक्त * बहादुर पुत्र धनीराम नि0 ग्राम कोर सराय रायपुर थाना नागल सोती जिला बिजनौर उ0प्र0* को मोटर साईकिल स्पलेण्डर प्लस मोटरसाइकिल रजि० नम्बर-वढ-20 उट-4612 सहित गिरफ्तार कर उनके कब्जे से 8.32 ग्राम अवैध स्मैक व स्मैक बेचकर कमाये गये नगदी 700 रू0 की बरामदगी की गयी ।गिरफ्तार अभियुक्त बहादुर द्वारा पूछताछ पर बताया कि वह लुधियाना पंजाब में नौकरी करता था, जहाँ से उसकी नौकरी छूट गयी और वह हरिद्वार आ गया, हरिद्वार में उसे रोहित सैनी नि0 रावली महदूद सिडकुल हरिद्वार स्मैक बेचने को देता है, जो उसे 350 रू0 बिट के हिसाब से बेचता है । गिरफ्तार अभियुक्त बहादुर व फरार अभि0 रोहित सैनी उपरोक्त के विरूद्ध थाना रानीपुर पर मु0अ0सं0 490/24 धारा 8/21/60 एनडीपीएस एक्ट का अभियोग पंजीकृत किया गया है ।गिरफ्तार अभि0 के विरुद्ध आवश्यक वैधानिक कार्यवाही की गई' अन्य अभियुक्त की शीघ्र सुरागरसी पतारसी कर गिरफ्तारी की जायेगी ।

गिरफ्तार अभियुक्त

1- बहादुर पुत्र धनीराम नि0 ग्राम कोर सराय रायपुर थाना नागल सोती जिला बिजनौर उ0प्र0

बरामदगी- कुल 8.32 ग्राम स्मैक व एक मो0सा0 वढ-20 उट-4612

गृह क्लेश के चलते भिक्कमपुर गांव निवासी एक महिला ने रात्रि के समय जहरीले पदार्थ का सेवन किया

मिशन नेशनल न्यूज / नाथीराम कश्यप

लक्सर...उत्तराखंड, गृह क्लेश के चलते भिक्कमपुर गांव निवासी एक महिला ने रात्रि के समय जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया, जिससे महिला की हालत बिगड़ गई। परिजनों द्वारा महिला को उपचार के लिए हरिद्वार अस्पताल ले जाया गया। जहां पर महिला की मौत हो गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया है।

शनिवार रात्रि भिक्कमपुर गांव निवासी नरगिस उम्र 24 वर्ष ने अपने घर पर ही जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया। जिससे उसकी तबीयत बिगड़ गई। नरगिस की हालत बिगड़ते देख परिजनों के होश उड़ गए। परिजन महिला को उपचार के लिए पास के निजी डॉक्टर के पास ले गए, जहां से डॉक्टर ने उसे हायर सेंटर के लिए रेफर कर दिया। बताया जा रहा है कि नरगिस को उसके परिजन हरिद्वार के एक अस्पताल ले गए जहां पर उपचार के दौरान नरगिस ने दम तोड़ दिया।

भिक्कमपुर पुलिस चौकी प्रभारी नरेंद्र सिंह का कहना है कि भिक्कमपुर गांव निवासी नरगिस उम्र 24 वर्ष ने जहरीले पदार्थ का सेवन कर लिया था। जिसके चलते उपचार के दौरान हरिद्वार

अस्पताल में उसकी मृत्यु हो गई है। महिला के शव का पंचनामा भरकर पीएम के लिए भेज दिया गया है। मामले की जांच की जा रही है, जांच के बाद कार्रवाई की जाएगी।

लड़-झगड़कर शांति व्यवस्था भंग करने वालों पर हरिद्वार पुलिस की कार्यवाही

रुड़की पुलिस द्वारा शांति भंग करने पर धारा 170 BNSS में 6 आरोपी हिरासत में लिया

रुड़की, पुलिस द्वारा जमीन को लेकर विवाद लेकर आपस में लड़ रहे दो पक्षों के 6 लोगों को शांति व्यवस्था भंग करने में हिरासत में लिया दोनों पक्ष जमीन को लेकर आए दिन लड़ाई झगड़ा कर क्षेत्र का माहौल बिगाड़ रहे थे, जिनको समझने का काफी प्रयास किया गया लेकिन नहीं माने एक दूसरे पर आरोप प्रत्यारोप लगाते हुए आपस में लड़ाई झगड़ा करने में आमदा थे।

सभी आरोपितों को अंतर्गत धारा 170 इठरर में हिरासत में लिया गया व दोनों पक्षों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

नाम पता आरोपित-

पार्टी प्रथम-

1. अमजद पुत्र अकरम उम्र 22 वर्ष।
2. जावेद पुत्र मुर्सरत उम्र 20 वर्ष ।

निवासीगण - ग्राम जौरासी जबरदस्तपुर, थाना कोतवाली सिविल लाईन रूड़की, जनपद हरिद्वार।

पार्टी द्वितीय

1. नौशाद पुत्र जाकिर उम्र 35 वर्ष।
2. शमीर पुत्र नवाब उम्र 18 वर्ष ।
3. शमशाद पुत्र जाकिर उम्र 27 वर्ष ।
4. साजिद पुत्र मुर्करम उम्र 22 वर्ष ।

निवासीगण - ग्राम जौरासी जबरदस्तपुर, थाना कोतवाली सिविल लाईन रूड़की

पुलिस टीम-

1. उप निरीक्षक विपिन कुमार
2. हेड कांस्टेबल संदीप कुमार
3. कांस्टेबल अनिल शर्मा

शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त, चार के DL किए निरस्त

देहरादून : ओएनजीसी चौक हादसे के बाद उत्तराखंड पुलिस सभी जिलों में शराब पीकर वाहन दौड़ने वालों के खिलाफ अभियान चलाए हुए है. पौड़ी पुलिस चेकिंग अभियान के दौरान चार वाहन चालकों के वाहन जब्त कर डीएल निरस्त किए हैं.

शराब पीकर वाहन दौड़ाने वालों के खिलाफ पुलिस सख्त

पौड़ी के एसएसपी लोकेश्वर सिंह द्वारा सड़क दुर्घटनाओं पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए समस्त थाना और यातायात प्रभारियों को सघन चेकिंग करने के निर्देश दिए गए हैं. खासकर शराब पीकर वाहन चलाने वाले और यातायत नियमों का उल्लंघन करने वाले चलाकों के विरूद्ध कार्यवाही करने के लिए कहा है. इसी क्रम में बीते शनिवार को पुलिस ने चेकिंग अभियान चलाया.

117 वाहन चालकों के काटे चालान

चेकिंग अभियान के दौरान पुलिस ने शराब पीकर वाहन चलाने वाले चार वाहन चालकों के खिलाफ करवाई की है. पुलिस के अनुसार दो वाहन कोटद्वार,एक श्रीनगर और एक सतपुली के वाहनों को सीज कर उनके डीएल निरस्तीकरण की कार्यवाही की गई है. इसके साथ ही यातायात नियमों का उल्लंघन करने पर 117 वाहन चालकों के चालान काटे हैं.

स्वच्छ भारत -स्वस्थ भारत के सपने को मिलकर साकार करें - टी. एस. मुरली

(स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाने हेतु बीएचईएल में वॉकथॉन का आयोजन)

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

हरिद्वार, स्वच्छ भारत झ स्वस्थ भारत अभियान के अंतर्गत स्वच्छता एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता का प्रसार करने व जन भागीदारी बढ़ाने के उद्देश्य से, बीएचईएल हरिद्वार में आज एक पैदल यात्रा वॉकथॉन कार्यक्रम का आयोजन किया गया । बीएचईएल हरिद्वार के कार्यपालक निदेशक श्री टी. एस. मुरली तथा बीएचईएल लेडीज क्लब की संरक्षिका श्रीमती टी. सौम्या ने, हरी झंडी दिखाकर वॉकथॉन को रवाना किया ।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए श्री मुरली ने कहा कि हमें ह्लस्वच्छ भारत झ स्वस्थ भारतह्व के सपने को साकार करने के लिए, मिलकर काम करना होगा । उन्होंने कहा कि हम सब यह प्रण लें कि न स्वयं गंदगी करेंगे और न दूसरों को करने देंगे । श्री मुरली ने कहा कि मुझे यह देखकर बेहद खुशी हो रही है कि न

केवल बीएचईएल कर्मचारी, बल्कि उनके परिजन भी अपने स्वास्थ्य के प्रति बेहद गंभीर हैं । उल्लेखनीय है कि स्वर्ण जयंती उद्यान के मुख्य द्वार से प्रारम्भ होकर यह वॉकथॉन, पार्क के बाहर - बाहर होती हुई, मुख्य द्वार पर आकर ही समाप्त हुई । इस अवसर पर बीएचईएल के महाप्रबंधकगण, वरिष्ठ अधिकारी, कर्मचारी एवं उनके परिजन, लेडीज क्लब की पदाधिकारी तथा यूनियन एवं एसोसिएशन के प्रतिनिधि आदि उपस्थित थे ।

संजीव चौधरी ने प्रेस को जारी के बयान मे कहा कि कॉरिडोर व पॉड टैक्सी पर कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही है

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

देहरादून आज राष्ट्रीय व्यापार मण्डल के प्रदेश अध्यक्ष संजीव चौधरी ने प्रेस को जारी के बयान मे कहा कि कॉरिडोर व पॉड टैक्सी पर कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही है कांग्रेस के मशाल जुलूस मात्र को एक राजनीतिक नौटंकी बताया है

चौधरी ने कहा कि राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी हमारी हर हर बात को ध्यानपूर्वक सुन रहे है और सभी मसलो को हल निकालते है और कॉरिडोर और पॉड टैक्सी पर भी मुख्यमंत्री ने व्यापारियों के हिसाब से ही निर्णय लेने की बात कही है और व्यापारी जब जब सड़को पर उतरे है तो भाजपा व्यापारी के साथ रही है उस टाइम कांग्रेस दूर दूर तक कही दिखाई नहीं ददेती है अब आज नगर निगम चुनाव आ गए है तो कांग्रेस को व्यापारी की याद आ रही है आज तक व्यापारी के इतने आन्दोलन हुए है इतनी लड़ाई लड़ी गई तब कांग्रेस मोन हो कर बैठी थी और आज चुनावी रोटिया सेकने के लिए आज व्यापारी के नाम पर ओछी राजनीति पर उतर आई है चौधरी ने कहा व्यापारी किसी की राजनीति का हिस्सा नही है कांग्रेस को अपनी राजनीति करनी है तो करे पर व्यापारी के कंधे पर रख कर बन्दूक ना चलाए चौधरी ने कहा कि व्यापारी ना किसी पार्टी के साथ है

ना किसी के विरोधी है पर आजा तक हमेशा भाजपा ने ही व्यापारी का साथ दिया है और कभी उसका चुनावी लाभ लेने का प्रयास किया है ऐसे मे अब केवल व्यापारी को वोट बैंक के रूप मे इस्तेलाम करने के लिए ये सब नाटक किए जा रहे है व्यापारी अपनी लड़ाई हर स्तर पर लड सकता है व्यापारी किसी का व्यापारी कार्ड नही है और ना बनने दिया जाएगा

डीजे संचालक का कटा 5000 का चालान

देर रात डीजे बजाना पड़ा महंगा, हरिद्वार पुलिस ने की कार्यवाही

देर रात डीजे बजने की सूचना पर मौके पर पहुंची थी पुलिस

मिशन नेशनल न्यूज / संवाददाता

कोतवाली रानीपुर को सूचना मिली कि शिवालिक नगर में काफी ध्वनि प्रदूषण हो रहा है।

सूचना पर तत्काल रानीपुर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जानकारी की गयी, तो एक व्यक्ति विजय कुमार पुत्र स्व0 मदन पाल नि0 क्यू-60 शिवालिक नगर हरिद्वार एक कार्यक्रम में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा निदेशों का उल्लंघन कर देर रात तक डी0जे0 बजा रहा था।

जिसपर पुलिस टीम द्वारा उक्त व्यक्ति का पुलिस अधिनियम के अन्तर्गत 5000/- रू0 का चालान कर, भविष्य में ध्वनि प्रदूषण के सम्बन्ध में मा0 उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी दिशा निदेशों के अनुरूप ही डी0जे0 बजाने की हिदायत दी गयी।

जनपद में किसी भी स्थान पर माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशों का पालन न करने पर हरिद्वार पुलिस द्वारा की जाएगी तत्काल वैधानिक कार्रवाई'

पुलिस टीम-

1. उ0नि0 प्रियंका इजराल, कोतवाली रानीपुर
2. का0 137 पप्पू सिंह, कोतवाली रानीपुर
3. का0 669 कुंवर राणा, कोतवाली रानीपुर

देहरादून निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का आयोजन सम्पन्न

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

डोईवाला दरबार बाबा मोहित (रजि ङ्क) के द्वारा माजरी ग्रान्ट में रविवार को एक निःशुल्क नेत्र जांच शिविर का सफल आयोजन किया गया,इस शिविर का उद्देश्य स्थानीय नागरिकों को नेत्र स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना था। शिविर में लगभग डेढ़ सौ लोगों ने अपनी आंखों की जांच करवाई।

शिविर में ए एस जी अस्पताल के अनुभवी नेत्र चिकित्सकों की टीम ने आंखों से जुड़ी विभिन्न समस्याओं की जांच की और जरूरी परामर्श दिया। जिन लोगों को चश्मे की आवश्यकता थी, उन्हें चश्मे निःशुल्क वितरित किए गए। साथ ही, मोतियाबिंद व अन्य जटिल समस्याओं के लिए मुफ्त परामर्श और उपचार योजनाओं की जानकारी दी गई।

आई कैम्प में रजिस्ट्रेशन होने वाले लोगों को अस्पताल में परामर्श फ्री होगा व इलाज व दवाओं में विशेष छूट दी जाएंगी।दरबार बाबा मोहित (रजि ङ्क) के आयोजकों ने बताया कि नेत्र स्वास्थ्य को लेकर लोगों में जागरूकता बढ़ाने के लिए ऐसे शिविर नियमित रूप से आयोजित किए जाएंगे। स्थानीय निवासियों ने इस पहल की सराहना की और संस्था को धन्यवाद दिया।

दरबार बाबा मोहित (रजि०) का यह प्रयास नेत्र स्वास्थ्य के प्रति एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे समाज को लाभ पहुंचा है। इस अवसर पर दरबार बाबा मोहित (रजिङ्क) के अध्यक्ष मोहित वर्मा जी ने जीते जी रक्त दान मरने के बाद नेत्र दान का संकल्प भी लोगों को दिलवाया।

इस अवसर पर नव दिव्यांग सेवा संस्थान (रजि ङ्क) दरबार बाबा मोहित के अध्यक्ष मोहित वर्मा जी को मानवता की सेवा के लिए देवभूमि एक्सीलेंस अवार्ड 2024 के द्वारा शॉल ओढ़ाकर व स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया।

इस अवसर पर दरबार बाबा मोहित के अध्यक्ष मोहित वर्मा (बाबा जी) व सचिव चतर सिंह वर्मा पूर्व ब्लॉक प्रमुख नगीना रानी ,रामेश्वर लोधी ,मोहित उनियाल आदित्य जौहर , हँस राज बडोनी , कमल अरोड़ा , अजय कुमार , प्रदीप सिंह , आशीष बिष्ट कौशिक बिष्ट, नितेश,वंदना जोशी,हेमा , मनप्रीत ,नेहा, रीता ,ऐश्वर्या आदि सेवादारो ने अपनी सेवा देकर कार्यक्रम को सफल बनाया।

काल बन रही देहरादून की 14 अंधेरी सड़कों का होगा ऑडिट, हादसों पर लगेगा अंकुश

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहदून की 14 अंधेरी सड़कों पर होने वाली दुर्घटनाओं को रोकने के लिए परिवहन विभाग सड़कों का सेफ्टी ऑडिट करने जा रहा है। इस ऑडिट में सड़कों की स्ट्रीट लाइट की पूरी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। कहां लाइट खराब है कहां नहीं लगी हैं और कहां जरूरत है इसकी रिपोर्ट तैयार कर जिला-प्रशासन को सौंपी जाएगी। 14 सड़कों को इसमें चिह्नित किया गया है।दून शहर में वाहन चालकों के लिए काल बन रही अंधेरी सड़कों के कारण हो रही दुर्घटनाओं पर अंकुश लगाने के लिए परिवहन विभाग प्रमुख सड़कों का सेफ्टी ऑडिट करने जा रहा है। प्रारंभिक चरण में शहर की 14 सड़कों को इसमें चिह्नित किया गया है।सेफ्टी ऑडिट में सड़कों की स्ट्रीट लाइट की पूरी रिपोर्ट तैयार की जाएगी। कहां लाइट खराब है, कहां नहीं लगी हैं और कहां जरूरत है, इसकी रिपोर्ट तैयार कर जिला-प्रशासन को सौंपी जाएगी। इस दौरान सड़क के ब्लैक स्पाट भी चिह्नित किए जाएंगे। दून शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था व लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ही नहीं बल्कि सर्वोच्च न्यायालय भी नाराजगी जता चुका है। गत 11 नवंबर की मध्य रात्रि ओएनजीसी चौक पर हुई सड़क दुर्घटना में छह युवाओं की मौत के मामले ने तो पूरे देश को चिंतित कर दिया था। इस दुर्घटना में युवाओं की कार की बेलगाम गति जितनी कसूरवार थी, उससे अधिक दोषी शहर में पुलिस की रात्रि चेकिंग में लापरवाही को माना गया सर्वोच्च न्यायालय की समिति की ओर से शासन को भेजे गए पत्र में भी दुर्घटना का कारण चेकिंग में लापरवाही को ठहराया गया है। दुर्घटनाओं के कारणों और इन पर नियंत्रण को लेकर सरकार की ओर से उठाए जा रहे कदमों पर सर्वोच्च न्यायालय ने 15 दिसंबर तक रिपोर्ट भी मांगी हुई है। इसी क्रम में सड़कों के गड्ढ़े भरने के साथ चौड़ीकरण की कसरत भी की जा रही है। दूसरी ओर, दुर्घटनाओं पर नियंत्रण को लेकर परिवहन विभाग ने सड़कों का ऑडिट करने की तैयारी भी शुरू कर दी है। आरटीओ प्रवर्तन शैलेश तिवारी ने बताया कि शहर में पूर्व में हुई दुर्घटनाओं के कारणों की जांच में एक प्रमुख कारण सड़कों पर प्रकाश की पर्याप्त व्यवस्था न होना भी पाया गया। यह देखा गया कि शाम छह बजे से रात्रि दो बजे के बीच दुर्घटना का ग्राफ अधिक रहा है और इसका प्रमुख कारण सड़क पर स्ट्रीट लाइट खराब होना या लाइट लगी न होना सामने आया।सड़क पर अंधेरा होने के कारण वाहन चालकों को तीव्र मोड या ब्लैक स्पाट नजर नहीं आते और दुर्घटना हो जाती है। इसी के तहत एआरटीओ प्रवर्तन समेत चार अफसरों की टीम बनाकर पहले चरण में 14 प्रमुख सड़कों का सेफ्टी ऑडिट शुरू किया जाएगा। इसके बाद शहर की अन्य सड़कों की पड़ताल भी की जाएगी।

दून शहर की बदहाल यातायात व्यवस्था व लगातार बढ़ रही दुर्घटनाओं को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी व मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ही नहीं बल्कि सर्वोच्च न्यायालय भी नाराजगी जता चुका है। गत 11 नवंबर की मध्य रात्रि ओएनजीसी चौक पर हुई सड़क दुर्घटना में छह युवाओं की मौत के मामले ने तो पूरे देश को चिंतित कर दिया था। इस दुर्घटना में युवाओं की कार की बेलगाम गति जितनी कसूरवार थी, उससे अधिक दोषी शहर में पुलिस की रात्रि चेकिंग में लापरवाही को माना गया

इन मार्गो का किया जाएगा ऑडिट

एस्लेहाल-मसूरी डायवर्जन-साई मंदिर-राजपुर-कुठालगेट कैनाल रोड-राजपुर-सहस्त्रधारा बाईपास साई मंदिर-सहस्त्रधारा रोड

डायवर्जन-मालसी-कुठालगेट

घंटाघर-चकराता रोड-सुद्धोवाला

कैंट-बल्लूपुर चौक-बल्लीवाला-जीएमएस रोड-ट्रांसपोर्टनगर

सहारनपुर रोड-डाटकाली मंदिर

आइएसबीटी-शिमला बाईपास

आइएसबीटी-हरिद्वार बाईपास-रिस्पना पुल

ईसी रोड-आराघर-धर्मपुर-रिस्पना पुल

रिस्पना पुल-जोगीवाला-मोहकमपुर-कुआंवाला

सर्वे चौक-क्रासिंग-सहस्त्रधारा मार्ग

क्रासिंग-रायपुर मार्ग

हुजूर डाकपत्थर में संयुक्त चिकित्सालय बना है शोपीस

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

देहरादून विकासनगर मुख्यमंत्री ने उत्तराखंड की स्वास्थ्य सेवाओं को पंख लगाने के लिए बड़े विजन के साथ अपने कदम आगे बढा रखे है। मुख्यमंत्री पहाड़ से लेकर मैदान तक के सरकारी अस्पतालों को एक नई पहचान दिलाने की दिशा में भले ही काम कर रहे हों लेकिन स्वास्थ्य मंत्री की नजर डाकपत्थर में शोपीस बने संयुक्त चिकित्सालय की तरफ क्यों नहीं जा रही है यह काफी हैरान करने वाली बात है? पचास बैड का चिकित्सालय लंबे समय से धूल फांक रहा है और इलाके की जनता यह देखकर हैरान है कि आखिरकार कब तक यह अस्पताल लावारिस पड़ा रहेगा? एक ओर तो स्वास्थ्य महकमें ने अपने कुछ सरकारी अस्पतालों को पीपीपी मोड पर चलाने का दौर शुरू किया था जिस पर अब ब्रेक लगाने का दम भरा जा रहा है लेकिन पछवादून के डाकपत्थर इलाके में अगर आवाम के लिए बना सरकारी अस्पताल सिर्फ शोपीस बनकर रह गया है तो उससे समझा जा सकता है कि स्वास्थ्य मंत्री आवाम के इलाजों को लेकर जो बड़े बड़े दावे कर रहे है वह कहां टिक रहे है? अब जन संघर्ष मोर्चा ने स्वास्थ्य महकमें को कटघरे में खडा करते हुए कहा है कि करोड़ों की लागत से बना चिकित्सालय महीनों से शोपीस बना हुआ है लेकिन अब मोर्चा शीघ्र ही इसको लेकर शासन में दस्तक देगा। यहां जन संघर्ष मोर्चा के अध्यक्ष एवं जीएमवीएन के पूर्व उपाध्यक्ष रघुनाथ सिंह नेगी ने मोर्चा टीम के साथ डाकपत्थर संयुक्त चिकित्सालय का निरीक्षण कर महीनों पूर्व बनकर तैयार धूल फांक रहे चिकित्सालय की दुर्दशा पर जिम्मेदारों को कोसा और अपना विरोध दर्ज किया। इस अवसर पर नेगी ने कहा कि लगभग तेरह करोड़ की लागत से वर्ष 2021 में स्वीकृत पचास बैड का संयुक्त चिकित्सालय महीनों पहले उत्तराखंड पेयजल संसाधन विकास एवं निर्माण निगम द्वारा बनाकर तैयार किया जा चुका है, जिसमें भारी वित्तीय अनियमितताएं हुई हैं और लेकिन आज तक उक्त चिकित्सालय को अल्पसंख्यक कल्याण विभाग द्वारा स्वास्थ्य विभाग को हस्तगत करने की दिशा में कोई कार्रवाई नहीं की गई, जिस कारण जनता की गाड़ी कमाई बर्बाद होने के कगार पर है।

उन्होंने कहा कि आलम यह है कि विकासनगर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत अधिकांश मामलों में सिर्फ ठेकेदारी की कमाई हड़पने के उद्देश्य से बिल्डिंग्स, पुल इत्यादि तैयार हो रहे हैं, लेकिन आमजन के लिए कैसे सुविधा मिले, इसके लिए जिम्मेदार तैयार नहीं हैं। उन्होंने कहा कि अगर हॉस्पिटल में स्वास्थ्य सेवाएं शुरू हो जातीं तो निश्चित तौर पर उप जिला चिकित्सालय, विकासनगर के मरीजों को भी राहत मिलती एवं डाकपत्थर व आसपास के क्षेत्र के लोगों को भी सुविधा होती। उन्होंने कहा कि मोर्चा शीघ्र ही चिकित्सालय को हस्तगत कराने के लिए शासन में दस्तक देगा, जिससे जनता को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सके। इस अवसर पर निरीक्षण के दौरान मोर्चा टीम में महासचिव आकाश पंवार, दिलबाग सिंह, प्रवीण शर्मा पिन्नी, अतुल हांडा व प्रमोद शर्मा आदि मौजूद थे।रघुनाथ सिंह का कहना है कि विकासनगर में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए वह हमेशा सरकार से मांग करते आ रहे हैं और उन्होंने पछवादून में सरकारी अस्पतालों में बेहतर इलाज और वहां की व्यवस्थाओं को नयापन देने के लिए स्वास्थ्य सचिव डा० आर राजेश कुमार से भी मुलाकात की थी और उनके आदेश पर सीएमओ ने भी विकासनगर में स्वास्थ्य सेवाओं को परखने के लिए वहां का निरीक्षण किया था। रघुनाथ सिंह नेगी का कहना है कि पछवादून में स्वास्थ्य सेवाओं के बेहतर होने से वहां आसपास के कई इलाकों में रहने वाले लोगों को स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल पायेगा लेकिन गजब की बात है कि डाकपत्थर में सरकारी अस्पताल की इमारत पिछले एक साल से खडी हुई है लेकिन उसमें आज तक स्वास्थ्य सेवायें उपयोग में नहीं लाई जा रही जो कि हैरान करने जैसा है।

फिल्म निमार्ता प्रकाश झा ने सीएम धामी से की मुलाकात

देहरादूनः रविवार को मुख्यमंत्री कैम्प कार्यालय में राष्ट्रीय फिल्म पुरस्कार विजेता और प्रसिद्ध फिल्म निमार्ता-निर्देशक प्रकाश झा ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट की। इस दौरान प्रकाश झा ने उत्तराखंड में फिल्मांकन के लिए इच्छा जाहिर की।

फिल्म निमार्ता प्रकाश झा ने आज सीएम धामी से मुलाकात की। इस दौरान प्रकाश झा ने कहा कि फिल्म जगत के लोगों का उत्तराखण्ड में फिल्मों की शूटिंग के लिए तेजी से रूझान बढ़ रहा है। सीएम धामी ने फिल्म निमार्ता-निर्देशक प्रकाश झा का स्वागत करते हुए कहा कि उन्हें राज्य में फिल्मांकन के लिए हर संभव सहयोग दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि उत्तराखण्ड में फिल्मों की शूटिंग के लिए अनेक डेस्टिनेशन हैं।

सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखण्ड में नई फिल्म नीति-2024 बनाई गई है। फिल्मों की शूटिंग के लिए सिंगल विंडो सिस्टम से अनुमति प्रदान की जा रही है। हिन्दी और संविधान की 8वीं अनुसूची में शामिल भाषाओं की फिल्मों को अनुदान राशि राज्य में व्यय कुल धनराशि का 30 प्रतिशत या अधिकतम तीन करोड़ का अनुदान दिया जा रहा है।

देहरादून रानी पोखरी में उद्यान विभाग की मिली भगत से 10 पेड़ों का भूमाफियाओं ने किया कटान

मिशन नेशनल न्यूज / शादाब अली

डोईवाला। रानीपोखरी नागाघेर में वन तस्करों और भू माफियाओं ने उद्यान विभाग की मिली भगत से 10 हरे भरे आम के पेड़ों का किया भू-माफियाओं कटान, ऋषिकेश में वन तस्करों और भू माफियाओं के हौंसले इतने बुलंद है वन विभाग एवं उद्यान विभाग की मिली भगत से लगातार आम और लीचीं के बगीचों में वन तस्करों और भू माफियाओं द्वारा हरे-भरे फलदार वृक्षों पर आरीया चला रहे हैं जिसका जीता जाता प्रमाण हाल ही में रानी पोखरी में लगभग100 वृक्षों को भूमाफिया द्वारा कटवाया गया था वहीं दूसरी ओर रानीपोखरी नागाघेर में वन विभाग एवं उद्यान विभाग की मिली भगत से आम के 10 हरे भरे फलदार वृक्षों पर बीमारी के नाम पर आरी चलाई गई है इसकी जानकारी प्राप्त हुई है कि उद्यान विभाग से बीमारी के नाम पर अनुमति लेने के बाद लेने के बाद 10 आम के हरे वृक्षों को काटा गया है। सवालिया निशान यही उठता है कि आखिर हरे भरे वक्षों की अनुमति किस आधार पर दी जा रही

है और वही दूसरी और देश के प्रधानमंत्री और प्रदेश के मुख्यमंत्री के निदेशों पर प्रदेश में हरेला पर्व पर एक वृक्ष मां के नाम कार्यक्रम जोरों शोरों से चलाया गया और हर एक व्यक्ति एक पेड़ लगाए

जिससे प्रदेश सरकार की पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की मुहिम को आगे बढ़ाया पर अब सवाल यही खड़े होते हैं कि जिस तरह से लगातार हरे भरे वक्षों को काटकर बाग बगीचो को खत्म किया जा रहा है तो सरकार की पर्यावरण संरक्षण व संवर्धन की मुहिम कहां तक कारगर होगी, वहीं दूसरी और प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा भूमाफिया को संरक्षण देते हुए रानी पोखरी में हरे भरे फलदार 100 वक्षों को काटे गए थे और उद्यान विभाग, वन विभाग द्वारा अपना पल्ला झाड़ने हुए कार्रवाई न कर उनको जुमार्ना कर छोड़ दिया गया था वही बार-बार हरे वक्षों पर चलवाना भूमाफिया को संरक्षण देना ही सबसे बड़ी बात है जहां एक व्यक्ति अपने खेतों एवं घर पर निजी वृक्ष को कटवाने की अनुमति वन एवं उद्यान विभाग से मांगता है उस व्यक्ति को यह संबंधित दोनों विभाग अनुमति तक नहीं देते हैं यहां तक की कहते हैं कि अपनी जमीन के कागज और तहसील से रिपोर्ट लगवाएं तब जाकर आपको इसकी अनुमति अपने उच्च विभाग के अधिकारियों को रिपोर्ट भेजकर अनुमति मिलने के उपरांत आप अपना वृक्ष कटवा सकते हैं कि या नहीं और विभिन्न क्षेत्रों में आम के वक्षों पर भूमाफियाओं द्वारा बेखौफ हो आरीया चला रहे हैं भू माफिया द्वारा यह क्षेत्र की हरियाली को खत्म करने और पर्यावरण को बढ़ावा देने का कार्य कर रहे हैं, इन पर कार्रवाई क्यों नहीं होती है, सरकार, शासन, प्रशासन की मिली भगत से हरे वक्षों का पतन हो रहा है,

खास खबर

आम आदमी पार्टी फिरौती वसूल करने वाली पार्टी बन गयी है : भाजपा

नई दिल्ली,

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने दिल्ली में सत्तारूढ़ आम आदमी पार्टी के विधायक नरेश बालियान की कुछ ऑडियो क्लिप जारी करते हुए आज आरोप लगाया कि शराब घोटाले और भ्रष्टाचार करने वाली पार्टी अब गेंगस्टर के साथ मिल कर फिरौती वसूलने वाली पार्टी बन गयी है।

भाजपा के प्रवक्ता गौरव भाटिया और दिल्ली भाजपा प्रदेश अध्यक्ष वीरेन्द्र सचदेवा ने पार्टी के केन्द्रीय कार्यालय में आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन में ऑडियो क्लिपों को मीडिया को सुनवाया और यह आरोप लगाया। भाजपा नेताओं ने आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल को चुनौती दी कि वे इन ऑडियो क्लिपों को सुनकर विधायक को निष्कासित करें अन्यथा माना जाएगा कि ये वसूली उनके कहने से की जा रही है।

श्री भाटिया ने कहा, कट्टर बेइमान और पापी आम आदमी पार्टी अब कट्टर गुंडों की पार्टी बन गई है। पापी ह्यआपह्ल का विधायक भी है और गैंगस्टर भी है। पापी ह्यआपह्ल का सबसे बड़ा समर्थक गैंगस्टर हैं, जो खुलेआम वसूली करते हैं। पापी ह्यआपह्ल का गुंडा विधायक अरविंद केजरीवाल की सहमति से अब वसूली और फिरौती का रैकेट चला रहा है। एक ऑडियो क्लिप सामने आया है, जिसमें पापी आप के विधायक नरेश बाल्यान एक गैंगस्टर से बातचीत कर रहे हैं। इसमें वह एक बिल्डर से पैसे वसूलने के लिए उस गैंगस्टर से कह रहे हैं।

श्री भाटिया ने कहा, ह्लपापी ह्यआपह्ल के विधायक और गैंगस्टर में स-ांठगांठ, घनिष्ठता और मित्रता ऐसी है कि सारी सूचना का आदान-प्रदान हो रहा है। और विधायक इंगित कर रहा है कि इस बिल्डर को बुलाओ और उसे डराओ, धमकाओ। जब उसकी जान पर बन आएगी तो फिरौती मिलेगी और जब फिरौती एवं वसूली होगी वो हवाला के जरिए ली जाएगी और उसके बाद उसको बांटा जाएगा। ये किसी विधायक का चरित्र नहीं हो सकता, लेकिन विधायक अगर पापी ह्यआपह्ल का है तो ऐसा हो सकता है ह्ल

भाजपा प्रवक्ता ने श्री केजरीवाल को चुनौती देते हुए कहा, ह्लइस ऑ-डियो क्लिप के आने के बाद क्या अरविंद केजरीवाल और दिल्ली की मुख्यमंत्री आतिशी मालेर्ना क्या इस विधायक को पार्टी से तुरंत निष्कासित करेंगे? अगर वो ऐसा नहीं करेंगे, तो ये मान लिया जाएगा कि ये सारी वसूली जो हो रही है, ये अरविंद केजरीवाल के कहने पर ही हो रही है ह्ल

श्री सचदेवा ने मांग की कि चूंकि दिल्ली की कानून व्यवस्था केन्द्र स-रकार के हाथ में है, इसलिए जांच एजेंसियों को मामले की तहकीकात करके दोषियों को सलाखों के पीछे भेजना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि आम आदमी पार्टी दिल्ली को अपराधियों की राजधानी बनाना चाहती है। इसलिए उसके विधायक ये फिरौती रंगदारी का खेल रही है। उन्होंने कहा कि दिल्ली की सरकार केजरीवाल या आतिशी मालेर्ना नहीं बल्कि गैंगस्टर चला रहे हैं।

केजरीवाल के वादे धोखा, दिल्ली की जनता में आक्रोश : देवेंद्र यादव

नई दिल्ली,

दिल्ली कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष देवेंद्र यादव ने शनिवार को आम आदमी पार्टी (आप) के नेता और दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा देवेंद्र यादव ने कहा कि जो नेता कभी कहते थे कि वह किसी प्रकार की सुविधाएं नहीं लेंगे, तीन कमरे के मकान में हम रह लेंगे, सिक्योरिटी नहीं लेंगे, उनकी पोल खुल गई है। केजरीवाल का शीशमहल 175 करोड़ रुपये की लागत से बना है, जिसमें गोल्ड प्लेटेड कमोड भी लगाया गया है। दिल्ली की जनता के सामने इसे एक्सपोज किया जाना चाहिए, कहीं न कहीं दिल्ली की जनता इससे आहत है। उन्होंने कहा कि केजरीवाल की असलियत को दिल्ली की जनता के सामने लाना बेहद जरूरी है, क्योंकि उनका जो व्यक्तित्व पहले जनता के सामने था, वह पूरी तरह से बदल चुका है। देवेंद्र यादव ने केजरीवाल के सरकारी सुविधाओं के विरोधाभासी दावों और चुनावी वादों पर भी सवाल उठाते हुए कहा कि दिल्ली की जनता अब उनकी असलियत जान चुकी है। देवेंद्र यादव ने कहा कि केजरीवाल के चुनावी वादे जैसे सस्ती बिजली और मुफ्त पानी, अब जनता के लिए एक धोखा साबित हो चुके हैं। कांग्रेस किसी भी प्रकार के गठबंधन के लिए तैयार नहीं है और दिल्ली की जनता अब सही जवाब देने के लिए तैयार है। बता दें कि दिल्ली में होने वाले आगामी विधानसभा चुनावों को लेकर राजनीतिक सरगर्मी तेज हो गई है। आप और कांग्रेस दोनों ही इंडी गठबंधन का हिस्सा हैं। कांग्रेस, जो काफी समय से सत्ता से बाहर रही है, इस बार सत्ता में वापसी के लिए हर संभव प्रयास कर रही है। पार्टी की कोशिश है कि वह अपने पुराने जनाधार को फिर से हासिल करें और जनता के बीच अपनी छवि को सुधारते हुए मजबूत प्रदर्शन करें। दूसरी तरफ, आम आदमी पार्टी जो वर्तमान में दिल्ली में सत्ता में है, वह अपने शासन को बनाए रखने के लिए पूरी ताकत झोंक रही है। इसके चलते, दोनों प्रमुख पार्टियों के बीच राजनीतिक बयानबाजी भी तेज हो चुकी है, जिसमें आरोप-प्रत्यारोप का दौर चल रहा है। कांग्रेस की ओर से भाजपा और आप पर लगातार हमले किए जा रहे हैं, जबकि आम आदमी पार्टी सत्ता विरोधी माहौल को अपनी उपलब्धियों और वादों से बदलने की कोशिश कर रही है। चुनावी रणनीतियों के तहत दोनों पार्टियों ने जनता को आकर्षित करने के लिए कई वादे किए हैं और आगामी चुनावों को लेकर सभी अपनी पूरी ताकत से चुनावी मैदान में हैं।

अजमेर दरगाह मामले में वादी विष्णु गुप्ता को मिली जान से मारने की धमकी

-दरगाह शरीफ मामले में याचिका दायर करने के आरोप में मिली धमकी

-कॉलर ने कहा- तूने अजमेर दरगाह का केस फाइल करके बहुत बड़ी गलती कर दी

नई दिल्ली,

अजमेर दरगाह संकट मोचन महादेव मंदिर मामले में वादी हिंदू सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता को जान से मारने की धमकी मिली है। धमकी देने वाला कॉलर कनाडा से है। वहीं भारत से भी कॉल आया। कॉलर ने बोला, रतेरा सर कलम कर दिया जाएगा और 'गर्दन काट दी जाएगी। तूने अजमेर दरगाह का केस फाइल करके बहुत बड़ी गलती कर दी।ह्ल

धमकी देने वाले की शिकायत थाना बाराखंबा नई दिल्ली में दर्ज कर दी गई है। इन धमकियों पर विष्णु गुप्ता ने कहा, ह्लमैं यहां कहना चाहता हूं, हम ऐसे धमकियों से डरने वाले नहीं हैं। हम कानून के तहत काम कर रहे हैं और कोर्ट जाना हमारा अधिकार है। हम कोर्ट के माध्यम से अपने मंदिरों को वापस लेकर रहेंगे और अजमेर दरगाह संकट मोचन महादेव मंदिर था है और रहेगा।ह्ल

दरअसल, हिंदू सेना ने अजमेर शरीफ दरगाह के नीचे संकट मोचक महादेव मंदिर होने का दावा किया है। इसको लेकर उन्होंने अदालत में एक याचिका भी डाली, जिस पर कोर्ट सुनवाई के लिए राजी हो गया। इसके बाद राजनीतिक विवाद शुरू हो गया। दरअसल, मथुरा, वाराणसी और धार में मस्जिदों और दरगाहों पर इसी तरह के दावे किए गए हैं।

अजमेर की एक सिविल अदालत न इससे जुड़ी याचिका को स्वीकार करते हुए सभी पक्षों को नोटिस जारी किया है। कोर्ट ने इस मामले में सुनवाई के लिए अगली तारीख 20 दिसंबर जारी की है। अदालत में हिंदू सेवा के राष्ट्रीय अध्यक्ष विष्णु गुप्ता ने वकील शशि रंजन कुमार सिंह के माध्यम से 26 सितम्बर को याचिका दायर की गई थी।

क्या है अजमेर दरगाह का इतिहास

ईरान (फारस) के एक सूफी संत ख्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती ने अजमेर को अपना घर बनाया था और मुगल सम्राट हुमायूं ने उनके सम्मान में एक दरगाह बनवाई थी। अकबर और उनके पोते शाहजहां ने अजमेर दरगाह परिसर के अंदर मस्जिदें बनवाई थीं। अजमेर शरीफ दरगाह की गिनती भारत की सबसे बड़ी पवित्र धार्मिक स्थलों में की जाती है।

आप विधायक के ऑडियो क्लिप को सांसद संजय सिंह ने बताया फर्जी, बोले- मानहानि केस करेंगे

नई दिल्ली,

दिल्ली विधानसभा में आम आदमी पार्टी के संयोजक अरविंद केजरीवाल ने राजधानी की बिगड़ी कानून व्यवस्था और गैंगस्टर राज को लेकर गृहमंत्री अमित शाह को जिम्मेदार ठहराया। केजरीवाल के इस बयान के बाद आम आदमी पार्टी और बीजेपी के बीच आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया। शनिवार को बीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने आम आदमी पार्टी पर आरोप लगाते हुए आप विधायक नरेश बालियान पर गैंगस्टर के साथ मिलकर बिल्डर से वसूली करने का आरोप लगाया। ऑडियो क्लिप होने का भी दावा किया।

वहीं, गौरव भाटिया के इस आरोप के कुछ ही देर बाद आम आदमी पार्टी के स-ांसद संजय सिंह सामने आए। पार्टी कार्यालय में प्रेस कांफ्रेंस कर उन्होंने कहा कि भाजपा भारतीय जनता पार्टी नहीं, भारतीय झूठा पार्टी और भारतीय झगड़ा पार्टी बन गई है। इस पार्टी का मकसद झूठ और झगड़े को पूरे देश में फैलाना। उन्होंने कहा इसी सिद्धांत को अपनाते हुए आज भारतीय झूठा पार्टी ने फिर से एक नया झूठ (नया ड्रामा) प्रस्तुत किया।

आप ने उठाए कानून व्यवस्था पर सवालः संजय सिंह ने कहा कि पिछले कई दिनों से अरविंद केजरीवाल दिल्ली के कानून व्यवस्था को लेकर सवाल उठा रहे हैं। गृहमंत्री अमित शाह केजरीवाल के सवालों का जवाब देने के बजाए उन्हें रोकने में लगे हैं। केजरीवाल के खिलाफ तमाम तरह के षडयंत्र रच रहे हैं। इनका मकसद मुद्दों से दिमाग हटाना है।

अब मुद्दों से दिमाग हटाने के लिए भाजपा ने दो ऑडियो क्लिप चलाई जो पूरी तरह से फेक है। इस ऑडियो क्लिप की कोई सत्यता नहीं है। इस ऑडियो क्लिप के बारे में दिल्ली हाई कोर्ट में रोक लगा रखी है। हाईकोर्ट का स्पष्ट आदेश है कि ऐसा कोई भी ऑडियो चलाया नहीं जाएगा, कोर्ट के आदेश के बावजूद भारतीय जनता पार्टी ने ऑडियो क्लिप कैसे चलाया? इनके खिलाफ कोर्ट को एक्शन लेना चाहिए। संजय सिंह ने भाजपा को घेराः संजय सिंह ने कहा कि 17 अगस्त 2023 को एक मीडिया चैनल ने ऐसे प्रयास किया था, इसी ऑडियो क्लिप को चलाया था कि एक कपिल सांगवान गैंगस्टर हैं और नरेश बाल्यान जो आम आदमी पार्टी के विधायक हैं, उनके बीच बातचीत होने का दावा किया था, अब उसके बारे में दिल्ली पुलिस कहती है उसको रेड कॉर्नर नोटिस जारी है। उन्होंने कहा कि जो व्यक्ति दिल्ली पुलिस को नहीं मिल रहे हैं, जिसके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस है, भाजपाइयों को कहां से मिला? बीजेपी का मकसद आप को बदनाम करनाः आप सांसद ने कहा दर-असल, भाजपा का मकसद फर्जी ऑडियो क्लिप चलकर आम आदमी पार्टी को बदनाम करना है। वह मुद्दों से ध्यान भटकना चाहते हैं।

दिल्ली की बिगड़ी कानून व्यवस्था से लोगों का ध्यान भटकाने की कोशिश करने वाले को हम छोड़ने वाले नहीं है। हर दिन केजरीवाल, आम आदमी पार्टी का एक-एक कार्यकर्ता जनता के बीच में भाजपा को एक्सपोज करेगा। दिल्ली सुरक्षित चाहिए। यही प्रयास इन्होंने महाराष्ट्र के चुनाव में किया। फर्जी ऑडियो क्लिप चला दिया।

संजय सिंह ने कहा जो भाजपा वाले इस ऑडियो क्लिप को चलाएगा उसके खिलाफ मानहानि का मुकदमा किया जाएगा। उसको न्यायालय के अंदर बुलाया जाएगा।

केजरीवाल की सुरक्षा में चूक, पदयात्रा के समय चेहरे पर फेंका युवक ने पानी

नई दिल्ली,

राजधानी दिल्ली से बड़ी खबर सामने आ रही है। दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक, अर-विंद केजरीवाल की सुरक्षा में बड़ी चूक सामने आ रही है। दिल्ली के ग्रेटर कैलाश इलाके में एक शख्श ने अरविंद केजरीवाल पर पानी फेंकने की कोशिश की है। यह घटना उस समय हुई जब केजरीवाल पदयात्रा कर रहे थे। हालांकि, उनके सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत कार्रवाई करते हुए आरोपी को पकड़ लिया गया है। पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है।

इस घटना के बाद, आम आदमी पार्टी ने भाजपा पर आरोप लगाते हुए कहा कि यह हमला भाजपा के लोगों द्वारा किया गया था। पार्टी ने इस हमले को राजनीति से प्रेरित बताते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। घटना के बाद केजरीवाल के सुरक्षा कर्मियों ने तुरंत आरोपी को पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया। इस दौरान किसी भी प्रकार का शारीरिक नुकसान नहीं हुआ, लेकिन घटना ने राजनीतिक माहौल में हलचल मचा दी है। इस घटना के बाद, सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठने लगे हैं। जानकारों कि माने तो, ऐसी घटनाएं सुरक्षा में चूक का परिणाम हो सकती हैं। हालांकि, मामले की जांच जारी है और पुलिस आरोपी से पूछताछ कर रही है। आम आदमी पार्टी और भाजपा के बीच आरोप-प्रत्यारोप का सिलसिला तेज हो गया है। जहां आम आदमी पार्टी (आप) भाजपा को जिम्मेदार ठहरा रही है, वहीं भाजपा ने अब तक इस हमले को लेकर कोई बयान नहीं दिया है।

'एक हाथ में स्प्रिट और दूसरे हाथ में माचिस, केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश', सौरभ भारद्वाज के गंभीर आरोप

नई दिल्ली,

दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर लिक्विड फेंके जाने की घटना को लेकर मंत्री सौरभ भारद्वाज ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। सौरभ भारद्वाज ने कहा कि ग्रेटर कैलाश के सावित्री नगर इलाके में केजरीवाल जी की पदयात्रा थी। इसमें हजारों की संख्या में लोग, महिलाएं, बुजुर्ग, बच्चे, नौजवान उनको देखने के लिए, उनको आशीर्वाद देने के लिए वहां पहुंचे हुए थे। अरविंद जी सबसे मिलते थे। उसी समय एक आदमी ने उनपर हमला कर दिया। मैं उनके साथ था। मेरी जैकेट भी गीली है। एक आदमी ने उनके ऊपर स्प्रिट फेंकी। सूंघा हमने। उनको जिंदा जलाने की कोशिश की थी। उसके एक हाथ में स्प्रिट और दूसरे हाथ में माचिस। वह स्प्रिट उनके और मेरे ऊपर गिरी। मेरे कार्यकर्ता मुस्तैद थे। स्प्रिट तो फेंक दिया लेकिन माचिस नहीं जला पाए। आज दिल्ली के बीचोंबीच केजरीवाल को जिंदा जलाने की कोशिश की गई थी।

विकासपुरी में भी केजरीवाल पर हुआ था हमलाः भारद्वाज

भारद्वाज ने कहा कि यह बहुत गंभीर बात है। केजरीवाल जी, दिल्ली वालों के बीच पदयात्रा कर रहे हैं। भाजपावालों को नींद आनी बंद हो गई। दोबारा तीस-री बार दिल्ली में बीजेपी को हार नजर आ रही है। जब आदमी हारता है तो बेइमानी करता है और जीतने की कोशिश करता है। यह पहली बार नहीं है। विकासपुरी में उनपर जानलेवा हमला हुआ था।

पुलिस बस देखती रही थी। दूसरा हमला कल ही बुराड़ी में हुआ। मंत्री ने कहा कि केजरीवाल नांगलोई के रोशन हलवाई के यहां गए, जिससे करोड़ों की फिरौती मांगी गई थी। बीजेपी के गुंडों ने वहां पर भी केजरीवाल पर हमला किया। उनको रोशन हलवाई के पास नहीं जाने दिया गया। आज कोशिश कामयाब नहीं हो पाई। स्प्रिट फेंक दिया गया और माचिस लगाने में देरी हुई। पहला शक तो बीजेपी पर जाता है। ये लड़का अशोक कुमार झा है।

दिल्ली: पुलिस हिरासत से भागने के प्रयास में एक युवक की मौत

नई दिल्ली,

पश्चिमी दिल्ली के मायापुरी थाने में कथित तौर पर हिरासत से भागने की कोशिश में दीवार फांदते समय गिरने से 26 वर्षीय एक युवक की मौत हो गई। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अंशुमन तनेजा को उसके माता-पिता और अन्य रिश्तेदार पर चाकू से हमला करने के मामले में पूछताछ के लिए थाने लाया गया था। यह घटना 26 नवंबर की है। पुलिस ने एक बयान में कहा, ह्यह्यजब पुलिस मौके पर पहुंची तो पीड़ितों ने बताया कि उनके बेटे अंशुमन ने उन पर चाकू से हमला कर दिया। पीड़ितों को अस्पताल में भर्ती कराया गया और अंशुमन को पूछताछ के लिए थाने लाया गया।ह्लह्ल उन्होंने कहा, ह्यह्यभागने की कोशिश में अंशुमन ने कर्मचारियों को धक्का दिया और दीवार फांदते समय गिर गया। पुलिस ने बताया कि गिरने से अंशुमन के सिर में चोट लग गई और उसे तुरंत अस्पताल ले जाया गया। अधिकारियों ने कहा कि 28 नवंबर को एलएनजेपी अस्पताल में इलाज के दौरान अंशुमन ने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मामले की जांच से संबंधित सभी प्रक्रियाओं का पालन किया जा रहा है और परिवार के सदस्यों को कार्यवाही के बारे में अवगत कराया जा रहा है। पुलिस के अनुसार, मृतक के चाचा को इलाज के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है, जबकि उसके माता-पिता का सैन्य अस्पताल में उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि उसके पिता नौसेना के सेवानिवृत्त अधिकारी हैं। अंशुमन अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसकी बहन की शादी हो चुकी है और वह दिल्ली में ही रहती है। पुलिस सूत्रों ने बताया कि 24 नवंबर की आधी रात को अंशुमन ने पुलिस नियंत्रण कक्ष (पीसीआर) को कॉल कर अपने घर में डकैती की सूचना दी थी जो बाद में फर्जी पाई गई। उसके परिवार के सदस्यों ने पुलिस को बताया कि उस समय उसकी तबीयत ठीक नहीं थी। पुलिस ने बताया कि उप-मंडल अधिकारी (एसडीएम) से जांच कराई जाएगी और थाने में उसकी मौत के मामले में भी जांच जारी है।

दिल्ली का वायु गुणवत्ता सूचकांक बेहद खराब श्रेणी में रहा

नई दिल्ली,

दिल्ली में शनिवार सुबह वायु गुणवत्ता ह्यबहुत खराबह्ल श्रेणी में पहुंच गई और न्यूनतम तापमान 9.8 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। प्रति घंटे आंकड़े उपलब्ध कराने वाले ह्यसमीर ऐपह्ल के अनुसार, सुबह नौ बजे के आसपास वायु गुणवत्ता सूचकांक (एक्यूआई) 351 दर्ज किया गया। शून्य से 50 के बीच एक्यूआई को ह्यअच्छाह्ल, 51 से 100 के बीच ह्यसंतोषजनकह्ल, 101 से 200 के बीच ह्यमध्यमह्ल, 201 से 300 के बीच ह्यखराबह्ल, 301 से 400 के बीच ह्यबेहद खराबह्ल तथा 401 से 500 के बीच एक्यूआई को ह्यगंभीरह्ल श्रेणी में माना जाता है। मौसम विभाग ने दिन में आसमान साफ रहने का पूवानुमान जताया है। इसने बताया कि अधिकतम तापमान 26 डिग्री सेल्सियस के आसपास रह सकता है। सुबह साढ़े आठ बजे आर्द्रता का स्तर 97 प्रतिशत दर्ज किया गया। इस साल नवंबर पिछले पांच साल में सबसे गर्म रहा। पूरे माह दिन और रात का तापमान सामान्य से अधिक रहा। नवंबर में औसत न्यूनतम तापमान 14.9 डिग्री सेल्सियस रहा जो लंबी अवधि के औसत तापमान 13 डिग्री से लगभग दो डिग्री सेल्सियस अधिक है। इसी तरह, औसत अधिकतम तापमान 29.5 डिग्री सेल्सियस रहा जो लंबी अवधि के औसत तापमान से 1.1 डिग्री अधिक है। ऐसे में 2019 के बाद से इस साल नवंबर सबसे गर्म रहा।

आम आदमी पार्टी की शिक्षा नीति के खिलाफ बवाना में भाजपा का हल्ला बोल

नई दिल्ली,

दिल्ली विधानसभा चुनाव को लेकर इन दिनों सियासी सरगर्मियां तेज हैं। दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार राज्य में चुनावों से पहले अपनी शिक्षा नीति का ढिंढोरा चारों तरफ पीट रही है। इसके विपरीत भारतीय जनता पार्टी ने शनिवार को दिल्ली के बवाना के दरियापुर में एक सरकारी स्कूल में आम आदमी पार्टी की सरकार के खिलाफ रैली करते हुए धरना दिया।

इस रैली में पहुंचे भाजपा कार्यकर्ताओं ने अरविंद केजरीवाल के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। इस दौरान बड़ी संख्या में भाजपा के कार्यकर्ता सहित पदाधिकारी, दिल्ली विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष और रोहिणी से भाजपा के विधायक विजेंद्र गुप्ता, सांसद योगेंद्र चांदोलिया मौजूद रहे। इस दौरान विजेंद्र गुप्ता और सांसद योगेंद्र चांदोलिया ने आप सरकार और केजरीवाल पर जमकर निशाना साधा।

इस मौके पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा, ह्लदिल्ली सरकार की झूठी शिक्षा की पोल खोल अभियान की शुरूआत हमने बवाना गांव से की है। हम लोगों को बता रहे हैं कि यह लोगों को धोखा दे रहे हैं। यह हर साल शिक्षा के नाम पर 17 हजार करोड़ की लूट कर रहे हैं। इसका परिणाम यह है कि पिछले 2 साल में 9वीं और 11वीं में 3 लाख बच्चे फेल किए गए हैं। दिल्ली स-रकार ने 29 प्रतिभा विकास विद्यालय बंद कर दिए। इसके अलावा बवाना के इस स्कूल, जिसमें हम यह रैली कर रहे हैं, इसका उद्घाटन जून 2023 में अरविंद केजरीवाल ने खुद किया थाउन्होंने कहा, ह्लइस स्कूल में दो साल में एक भी बच्चे ने दाखिला नहीं लिया है। न कोई स्टाफ है, न प्रिंसिपल हैं। सारे कमरे बंद हैं। इस स्कूल में वीरानी छाई हुई है। यहां एकदम सन्नाटा है। स्कूल के इसी परिसर में केजरीवाल सरकार ने तीन बिल्डिंग बनाई थीं, वे तीनों खाली पड़ी हैं। मैं आप सरकार को चैलेंज देता हूं कि इन मुद्दों पर चर्चा कराएं, मैं इस शिक्षा क्रांति की पोल खोलूंगा। सांसद योगेंद्र चंदोलिया ने कहा, अरविंद केजरीवाल दिल्ली में शिक्षा मॉडल की बात करते हैं। इस परिसर में तीन स्कूल बने हुए हैं। इसमें पढ़ने वाले बच्चे ही नहीं हैं। यहां लोग अपने बच्चों को दाखिला ही नहीं दिलवाना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, ह्लहम लोग दिल्ली के शिक्षा मॉडल से परेशान हो गए हैं। इन स्कूलों पर करोड़ों रुपये खर्च होने के बाद भी लोग अपने बच्चों को इसमें दाखिला नहीं दिलवा रहे हैं। लोगों का कहना है कि आम आदमी पार्टी की सरकार ने 29 प्रतिभा स्कूलों को बंद कर दिया। कोई बच्चा दिल्ली सरकार के स्कूलों में पढ़ना नहीं चाहता। यहां भ्रष्टाचार है।

दिल्ली की समस्याओं को मेनिफेस्टो में बताने के साथ-साथ उसे पूरा भी करें दल : विजय गोयल

नई दिल्ली,

दिल्ली में अगले साल होने वाले विधानसभा चुनाव से पहले सियासत तेज हो गई है। इस बीच, पूर्व केंद्रीय मंत्री और भाजपा के वरिष्ठ नेता विजय गोयल ने विधानसभा चुनाव के मद्देनजर लोक अभियान के तहत जनता से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने दिल्ली की आम आदमी पार्टी की सरकार की योजनाओं के बारे में उनसे फीडबैक लिया।

भाजपा नेता विजय गोयल ने शनिवार को कहा, ह्लदिल्ली के चुनाव फरवरी में आने वाले हैं और कुछ ही महीने बचे हैं। ऐसे में दिल्ली का चुनाव किन मुद्दों पर होना चाहिए, इस पर हम जनता की राय मांग रहे हैं। हमने कनॉट प्लेस में स्थित मेट्रो स्टेशन के बाहर मौजूद लोगों से फीडबैक लिया है।

उन्होंने आगे कहा, दिल्ली में प्रदूषण की ही नहीं समस्याएं कई हैं। जल हो, सीवर हो, बांग्लादेशी रोहिंग्या का मामला हो या फिर

अस्पतालों में दवाई नहीं मिलने की समस्या हो, यहां की जनता से इन सभी मुद्दों पर विचार लिए जा रहे हैं। मैं समझता हूं कि अभी तक का जो सर्वे हुआ है, उसमें जल और सीवर सबसे बड़ी समस्या है। इसके अलावा पार्किंग, प्रदूषित यमुना और कूड़े की समस्याओं पर लोगों ने अपनी राय दी है। विजय गोयल ने सभी पार्टियों से अपील करते हुए कहा कि मेरा मानना है कि सभी पार्टियों को अपने मेनिफेस्टो में इसे डालना चाहिए, समस्याओं को ही केवल न डालें बल्कि मेनिफेस्टो में इसके समाधान की भी बात हो।

उन्होंने आगे कहा, सवाल यह है कि दिल्ली की जनता कहती है कि मुफ्त की रेवड़ियों से पहले साफ पानी, साफ हवा और पूरी बिजली चाहिए। यह अभियान दिल्ली के अलग-अलग भागों के अंदर चलेगा। हमारे वालंटियर जनता के बीच जाएंगे और उनसे राय लेंगे। इसके बाद हम सबको बताएंगे, ताकि पार्टी अपने मेनिफेस्टो में इन समस्याओं को बता सके। निश्चित तौर पर जो सारी समस्याएं आएंगी, वह दिल्ली सरकार से संबंधित है। बीजेपी भी चाहेगी कि इन समस्याओं को हल करें और उसी के अंतर्गत हम काम कर रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

कोर्ट ने इमरान खान को दंगे मामले में साजिश रचने और उकसाने का दोषी ठहराया

इस्लामाबाद

पाकिस्तान की एक कोर्ट ने जेल में बंद देश के पूर्व पीएम इमरान खान को पिछले साल हुए दंगों में अपराधियों को उकसाने और साजिश रचने का दोषी करार दिया है।

पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के संस्थापक पर 9 मई 2023 की हिंसा के संबंध में लाहौर में कई मामले दर्ज किए गए थे, जिनमें अपने समर्थकों को सरकारी और सैन्य भवनों पर हमला करने के लिए उकसाने का आरोप भी शामिल था।

आतंकवाद निरोधक कोर्ट के न्यायाधीश ने पिछले साल 9 मई के दंगों के आठ मामलों में पूर्व पीएम इमरान खान की गिरफ्तारी के बाद जमानत याचिकाओं के बारे में जारी एक लिखित आदेश में टिप्पणी की कि ये अपराध सीआरपीसी की धारा 497 के निषेधात्मक खंड के अंतर्गत आते हैं। याचिकाकर्ता इमरान खान को दोषी पाया गया। न्यायाधीश ने कहा कि अभियोजन पक्ष ने षड्यंत्र रचने के आरोप को साबित करने के लिए गवाहों के बयान और याचिकाकर्ता के खिलाफ उकसाने के आरोप को साबित करने के लिए ऑडियो/विजुअल सबूत पेश किए। न्यायाधीश ने कहा कि कोर्ट यह भी जानती है कि याचिकाकर्ता कोई साधारण व्यक्ति नहीं है। वह पीटीआई का अध्यक्ष है और उसके निर्देश और संचार कार्यकर्ताओं, अन्य वरिष्ठ नेताओं, मतदाताओं और समर्थकों के लिए अहम हैं। इमरान खान जेल में बंद हैं। उन्हें कुछ मामलों में दोषी पाया गया है और कुछ में जमानत मिल गई है।

अब डॉलर पर जंग: भड़के ट्रंप ने कहा- अलग मुद्रा बनाने वाले देशों को नहीं छोड़ेंगे

वॉशिंगटन

दुनिया में डॉलर को लेकर नई बहस शुरू हो गई है। कई देश डॉलर के विकल्प का समर्थन कर रहे हैं। इस पर अमेरिका को घोर आपत्ति है। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने गुस्से में यहां तक कह दिया कि यदि ब्रिक्स देशों ने अमेरिका के डॉलर को रिप्लेस करने के लिए कोई नई करेंसी लॉन्च की तो वह इन देशों पर 100 फीसदी टैरिफ लगा देंगे। उन्होंने कहा कि अमेरिकी डॉलर को कमजोर करने की कोई साजिश बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बता दें कि ब्रिक्स देशों में भारत के साथ ब्राजील, रूस, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, यूएई और ईरान शामिल हैं। इसके अलावा अजरबैजान तुर्की और मलेशिया भी इसकी सदस्यता चाहते हैं।

बता दें कि ब्रिक्स में भारत शामिल जरूर है लेकिन कई ऐसे देश भी हैं जिनसे अमेरिका का 36 का आंकड़ा रहता है। इसमें रूस और ईरान भी शामिल हैं। ऐसे में डोनाल्ड ट्रंप की इस धमकी को मुख्यतः रूस और ईरान के नजरिए से देखा जा रहा है। इसी साल रूस में हुए ब्रिक्स सम्मेलन में वैकल्पिक मुद्रा की बात की गई थी। रूस इसका ज्यादा समर्थन कर रहा था। चर्चा थी कि ब्रिक्स देश अमेरिकी मुद्रा को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। इसीलिए डोनाल्ड ट्रंप ने धमकाना शुरू कर दिया है।

सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि अलग मुद्रा बनाने या फिर डॉलर के खिलाफ दूसरी मुद्रा का समर्थन करने पर भी अजाम भुगतना होगा। उन्होंने कहा कि ब्रिक्स देशों को अमेरिका को निर्यात करने के लिए डॉलर का इस्तेमाल जारी रखना होगा। अगर ऐसा नहीं किया गया तो उन्हें बाहर का रास्ता दिखा दिया जाएगा। राष्ट्रपति चुनाव में जीत के बाद डोनाल्ड ट्रंप ने चीन, कनाडा और मेक्सिको से आने वाले सामान पर टैरिफ लगाने का ऐलान किया था। उन्होंने कहा था कि अगर अवैध प्रवासियों पर रोक नहीं लगाई गई तो कनाडा और मेक्सिको पर 25 फीसदी का टैरिफ लगा दिया जाएगा। डोनाल्ड ट्रंप ने भारत को हमेशा ही अपना बड़ा सहयोगी बताया है। पहली बार है जब उन्होंने ऐसे संगठन पर निशाना साधा है जिसमें भारत भी शामिल है।

इंसानी पायलट वाले विमान बनाना बेवकूफी जैसा : एलन मस्क

नई दिल्ली

पायलट वाले फाइटर जेट्स को टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने पुराने और अप्रभावी बताया है। मस्क ने कहा है कि ड्रोन तकनीक ने युद्ध के तरीके बदल दिए हैं, और अब इंसानी पायलट वाले विमान बनाना बेवकूफी जैसा है।

यूक्रेन युद्ध का हवाला देते हुए मस्क ने कहा कि ड्रोन ने वहां युद्ध की दिशा को पूरी तरह से बदल दिया। उन्होंने जोर दिया कि भविष्य में रिमोट कंट्रोल या स्वायत्त ड्रोन युद्ध में फाइटर जेट्स की जगह लेंगे। मस्क ने एफ-35 स्टील्थ फाइटर प्लेन की डिजाइन को भी आलोचना का निशाना बनाया और इसे सेना के लिए सबसे अच्छा विकल्प न होने की बात कही। एफ-35 अमेरिका का सबसे खचीर्ला रक्षा प्रोग्राम है, और मस्क पहले भी इसे लेकर अपनी राय जाहिर कर चुके हैं। उनके मुताबिक, पायलट वाले फाइटर जेट्स की तुलना में ऑटोनोमस ड्रोन बेहतर विकल्प हैं क्योंकि वे इंसानी जोखिम को कम करते हैं और सस्ते होते हैं। हालांकि, विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रोन तकनीक अभी इतनी उन्नत नहीं हुई है कि यह पूरी तरह से फाइटर जेट्स का स्थान ले सके। छोटे और सस्ते ड्रोन सीमित क्षमता के साथ आते हैं और बड़े युद्धक्षेत्रों में कारगर नहीं होते। रॉयल यूनाइटेड सर्विसेस इंस्टीट्यूट के एयरपॉवर विश्लेषक जस्टिन ब्रोंक के अनुसार, इंडो-पैसिफिक जैसे बड़े क्षेत्रों में पायलट वाले फाइटर जेट्स की जरूरत है जो तेज गति, लंबी दूरी और उन्नत सेंसर जैसी विशेषताएं प्रदान कर सकें।

सेना के विशेषज्ञों का यह भी कहना है कि इंसानी पायलट युद्ध के दौरान कई बार ऐसे फैसले ले सकते हैं जो स्वायत्त तकनीक से संभव नहीं है। मिचेल इंस्टीट्यूट के मार्क गनजिंजर ने कहा कि एफ-35 जैसे फाइटर विमान न केवल लड़ाई के लिए बल्कि निगरानी और संचार प्रबंधन जैसे कार्यों के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने यह भी कहा कि भविष्य में ऐसी तकनीक विकसित हो सकती है जो ड्रोन को फाइटर जेट्स के स्तर तक ले आए, लेकिन फिलहाल दोनों की जरूरत है। इस बीच, मस्क के बयान ने रक्षा विशेषज्ञों और नीति निमार्ताओं के बीच नई बहस छेड़ दी है।

छत्तीसगढ़ में 240 ई-बसों के लिए 67 करोड़ रूपए किये गए मंजूर

कोरबा

रायपुर छत्तीसगढ़ के चार शहरों रायपुर, बिलासपुर, दुर्ग-भिलाई और कोरबा में नागरिकों को जल्द ही इको-फ्रेंडली, किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिलने जा रही है। प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत इन चारों शहरों में कुल 240 ई-बसें संचालित की जाएंगी।

प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की पहल पर भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के तहत रायपुर के लिए 100, बिलासपुर और दुर्ग-भिलाई के लिए 50-50 तथा कोरबा के लिए 40 ई-बसों की स्वीकृति प्रदान की गई है। राज्य स्तर पर इसके लिए सुडा को नोडल एजेंसी तथा संबंधित जिलों में गठित अरबन पब्लिक सर्विस सोसाइटी को क्रियान्वयन एजेंसी बनाया गया है। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि ई-बस सेवा प्रारंभ होने से छत्तीसगढ़ के शहरों में कम कार्बन उत्सर्जन से वायु गुणवत्ता में सुधार और पर्यावरण का संरक्षण होगा। कम ऊर्जा खपत और बेहतर ईंधन दक्षता के साथ ही नागरिकों को आरामदायक आवागमन की सुविधा सुलभ होगी। इसे शहरों में मेट्रो के विकल्प या उसके सहयोगी साधन के रूप में विकसित किया जाएगा, ताकि लोगों को किफायती, भरोसेमंद और सुगम परिवहन की सुविधा मिले।

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री तथा नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्री अरुण साव ने बताया कि शहरी क्षेत्रों में सार्वजनिक परिवहन के ढांचे को दुरुस्त करने केंद्रीय आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय द्वारा प्रधानमंत्री ई-बस सेवा योजना प्रारंभ की गई है। सार्वजनिक परिवहन की इस अभिनव योजना में केंद्र सरकार द्वारा शहरों को बसों की खरीद तथा उनके संचालन के लिए वित्तीय सहायता प्रदान की जाएगी। इसका एक बड़ा हिस्सा शहरों में बस डिपो एवं बीटीएम पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर जैसी अधोसंरचना विकास के लिए भी खर्च किया जाएगा। उन्होंने बताया कि योजना के तहत तीन तरह की बसें स्टैंडर्ड, मीडियम और मिनी चलाई जाएंगी। शहरों की जनसंख्या के आधार पर बसों की संख्या निर्धारित की गई है। उन्होंने आगे बताया कि राज्य शासन ने सड़कों पर इन ई-बसों को उतारने की तैयारियां तेज करते हुए चारों शहरों में बस डिपो और बीटीएम पॉवर इन्फ्रास्ट्रक्चर के लिए कुल 67 करोड़ 40 लाख रुपए मंजूर करते हुए निविदा आमंत्रण की भी अनुमति दे दी है। नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग के राज्य शहरी विकास अभिकरण ने चारों शहरों में ई-बस सेवा के संचालन के लिए अलग-अलग गठित अरबन पब्लिक सर्विस सोसाइटी को इन दोनों कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करते हुए निविदा आमंत्रित करने कहा है।

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर 16.50 रुपए महंगा हुआ

- एटीएफ के दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर बढे

नई दिल्ली

कमर्शियल एलपीजी सिलेंडर के दाम एक बार फिर बढ़ गए हैं। तेल कंपनियों ने 19 किलो वाले एलपीजी सिलेंडर की कीमत में 16.50 रुपये की वृद्धि कर दी है। दिल्ली में यह सिलेंडर अब 1818.50 रुपये का है। यह पांचवां महीना है जब इन सिलेंडरों की कीमतें बढ़ रही हैं। इस बढ़ती कीमतों का असर हवाई ईंधन के भी दामों पर पड़ रहा है। एटीएफ का दाम भी 13.18.12 रुपए किलो लीटर महंगा किया गया है। यह दर भी पिछले महीने की तुलना में बढ़ी है। अब एलपीजी सिलेंडर की कीमतें नवंबर में भी बढ़ी थीं। इसमें कोलकाता में 1927.00 रुपये, मुंबई में 1771.00 रुपये और चेन्नई में 1980.50 रुपये की कीमतों का घोषणा की गई थी। उज्ज्वला योजना के तहत घरेलू गैस सिलेंडर की कीमतों में कोई बदलाव नहीं किया गया है। दिल्ली में सब्सिडी के बिना इस सिलेंडर की कीमत 803.00 रुपये में है। कंपनियों ने यह भी जाहिर दिया कि हवाई ईंधन के दाम में इजाफा कर दिया गया है, जिससे उड़ान भरने वालों के लिए टिकट की कीमतें भी बढ़ सकती हैं। इस बढ़ोतरी की क्या होगा अनुमान लगाना बेहद मुश्किल है।

देश की नौ प्रमुख कंपनियों का मार्केट कैप 2.29 लाख करोड़ बढ़ा

नई दिल्ली

पिछले सप्ताह देश की प्रमुख 10 सबसे मूल्यवान कंपनियों में नौ का कुल बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में 2,29,589.86 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी देखी गई। इसमें भारतीय जीवन बीमा निगम को सबसे अधिक लाभ हुआ। भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) का मूल्यांकन 60,656.72 करोड़ रुपये बढ़कर 6,23,202.02 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का मूल्यांकन 39,513.97 करोड़ रुपये बढ़कर 13,73,932.11 करोड़ रुपये, रिलायंस इंडस्ट्रीज का बाजार मूल्यांकन 35,860.79 करोड़ रुपये बढ़कर 17,48,991.54 करोड़ रुपये, भारती एयरटेल का बाजार मूल्यांकन 32,657.06 करोड़ रुपये बढ़कर 9,26,725.90 करोड़ रुपये, भारतीय स्टेट बैंक का बाजार मूल्यांकन 20,482 करोड़ रुपये बढ़कर 7,48,775.62 करोड़ रुपये और आईसीआईसीआई बैंक का मूल्यांकन 15,858.02 करोड़ रुपये बढ़कर 9,17,724.24 करोड़ रुपये हो गया। इस दौरान हिंदुस्तान यूनिलीवर, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज और आईटीसी का मूल्यांकन भी बढ़ा। हालांकि,

इंफोसिस का बाजार मूल्यांकन 18,477.5 करोड़ रुपये घटकर 7,71,674.33 करोड़ रुपये रह गया। रिलायंस इंडस्ट्रीज सबसे मूल्यवान घरेलू कंपनी बनी रही, जिसके बाद टीसीएस, एचडीएफसी बैंक, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इंफोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, एलआईसी, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चे सोशल मीडिया पर नहीं बना सकेंगे अकाउंट

नई दिल्ली,

ऑस्ट्रेलिया ने 16 साल से कम उम्र के बच्चों को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर अकाउंट बनाने पर रोक लगा दी है। सरकार इस कदम को युवाओं की ऑनलाइन सुरक्षा के लिए एक ह्लविश्व स्तरीयह्व कदम बता रही है। संसद के निचले सदन ने इसे सप्ताह की शुरूआत में पारित कर दिया था। ऑस्ट्रेलिया की संचार मंत्री ने कहा कि यह युवाओं की सुरक्षा के बारे में है। उन्हें दंडित करने या अलग-थलग करने के बारे में नहीं। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग, खाने के विकार और हिंसा से जुड़ी सामग्री के संपर्क में आने को बच्चों को ऑनलाइन होने वाले कुछ नुकसानों में से एक बताया।

सोशल मीडिया उपयोगकताओं की उम्र सत्यापित करने के लिए ह्लउचित कदमह्व उठाने होंगे। कानून संभवतः टिकटॉक, फेसबुक, स्नैपचैट, रेडिट, इंस्टाग्राम और एक्स जैसे प्रमुख प्लेटफॉर्म को कवर करेगा। इस कानून को ऑस्ट्रेलिया के लोगों का व्यापक समर्थन प्राप्त है और कुछ अभिभावक समूह इसके मुखर समर्थक रहे हैं, लेकिन इसे तकनीकी दिग्गजों, मानवाधिकार समूहों और सोशल मीडिया विशेषज्ञों के एक अप्रत्याशित गठबंधन से कड़ी प्रतिक्रिया का सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि कई बड़े अनुत्तरित प्रश्न हैं कि कानून को कैसे लागू किया जाएगा। उपयोगकताओं की गोपनीयता की सुरक्षा कैसे की जाएगी और मूल रूप से, क्या प्रतिबंध वास्तव में बच्चों की सुरक्षा करेगा।

आलोचकों का तर्क है कि प्रतिबंध बच्चों की प्रभावी ढंग से रक्षा नहीं कर सकता है और इससे नई समस्याएं पैदा हो सकती हैं। आयु सत्यापन

विधियां, विशेष रूप से एआई और ट्रैकिंग से जुड़ी, गोपनीयता की चिंता पैदा करती हैं। छूट की पट्टिका प्रकृति यह स्पष्ट नहीं करती है कि कानून बच्चों की किस चीज से रक्षा करना चाहता है। कानून का उद्देश्य बच्चों की रक्षा करना है, यह देखा जाना बाकी है कि यह व्यवहार में कितना प्रभावी होगा और इसके क्या अनपेक्षित परिणाम हो सकते हैं।

मीडिया रिपोर्ट्स में क्वींसलैंड यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी में डिजिटल मीडिया रिसर्च सेंटर के निदेशक ने कहा कि सरकार के लिए अपने कानून को, आंशिक रूप से भी, उस तरह की तकनीक पर आधारित करना अवास्तविक था, जो अक्सर एआई द्वारा संचालित होती है, जो अभी भी काफी हद तक विकास में है और किसी भी तरह से मूखंतापूर्ण नहीं है। उन्होंने कहा कि इनसे जुड़ी गोपनीयता संबंधी बहुत बड़ी चिंताएं हैं। यह सब किसी न किसी तरह से ऑनलाइन उपयोगकताओं को ट्रैक करने की क्षमता प्रदान करता है।

वैश्विक रुझानों, ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले तय करेंगे शेयर बाजारों की चाल

- कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा

मुंबई

इस सप्ताह वैश्विक रुझानों, व्यापक आर्थिक आंकड़ों और ब्याज दर पर आरबीआई के फैसले शेयर बाजारों की दिशा तय कर सकते हैं। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि इस सप्ताह निवेशक ऑटो बिक्री के मासिक आंकड़ों पर भी निगाहें रहेंगी। बाजार विश्लेषकों ने कहा कि बाजार सोमवार को 5.4 प्रतिशत की निराशाजनक जीडीपी वृद्धि पर प्रतिक्रिया दे सकते हैं। आगामी आरबीआई नीति महत्वपूर्ण होगी, जिसमें ब्याज दर निर्णय और टिप्पणी, दोनों पर ही निवेशकों की नजर होगी। उन्होंने कहा कि वैश्विक मोर्चे पर, भू-राजनीतिक तनाव, विशेष रूप से रूस-यूक्रेन की स्थिति को लेकर चिंता बनी हुई है। भारत, अमेरिका और चीन से विनिर्माण पीएमआई जैसे महत्वपूर्ण व्यापक आर्थिक आंकड़े भी बाजार को प्रभावित करेंगे। विश्लेषकों ने कहा कि कच्चे तेल की कीमतों और अमेरिकी डॉलर के रुख से भी बाजार प्रभावित होगा। विनिर्माण और खनन क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के साथ ही कमजोर खपत के कारण चालू वित्त वर्ष की जुलाई-सितंबर तिमाही में भारत की आर्थिक वृद्धि दर दो साल के निचले स्तर 5.4 प्रतिशत पर पहुंच गई। देश हालांकि अभी भी सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना हुआ है। पिछले सप्ताह भारतीय शेयर बाजारों ने काफी उतार-चढ़ाव देखा, हालांकि सप्ताह के अंत में बाजार बढ़त के साथ बंद हुए। बाजार विशेषज्ञों ने कहा कि बाजार का नजरिया भारत के विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, ब्याज दर पर फैसले, अमेरिकी एसएंडपी वैश्विक समग्र पीएमआई, विनिर्माण पीएमआई, सेवा पीएमआई, गैर-कृषि रोगजार के आंकड़ों जैसे प्रमुख घरेलू और वैश्विक आर्थिक कारकों से प्रभावित होगा।

जब अमेरिकी वैज्ञानिकों को साल्टन लेक में खुदाई में मिल गया सफेद सोने का भंडार

न्यूयॉर्क

दुनियाभर में अलग-अलग जगहों पर वैज्ञानिक खोज करते रहते हैं। कहीं पर कोई वैज्ञानिक बीमारियों से लड़ने के लिए दवाइयां बनाता है, कहीं पर जमीन की खुदाई कर जानकार प्राचीन जमाने के बारे में जानना चाहते हैं। जमीन की खुदाई के क्रम में कई ऐसी रहस्यमय चीजों के बारे में जानकारी मिलती है, जो हजारों साल पहले हुआ करती थीं। कभी कभी इस दौरान खजाने भी हाथ लग जाते हैं। लेकिन आज हम आपको इस खबर में एक झील की खुदाई में मिले खजाने के बारे में बता रहे हैं। दरअसल, वैज्ञानिक जब अमेरिका के कैलिफोर्निया में स्थित साल्टन लेक की खुदाई कर रहे थे, तभी उनकी नजर 540 बिलियन डॉलर्स (4,56,17,04,65,88,000 रुपए) के खजाने पर पड़ गई। ये खजाना कुछ और नहीं बल्कि ह्यसफेद सोनेह्व का भंडार था,

यह देखकर उनकी आंखें खुशी के मारे चमक उठीं। लिथियम को ह्यसफेद रेत की तरह दिखने के कारण सफेद सोनाह्व कहा जाता है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, साल्टन सागर को कैलिफोर्निया की सबसे बड़ी झील माना जाता है। डिपार्टमेंट ऑफ एनर्जी द्वारा फंडेड रिसर्च के हिस्से के रूप में वैज्ञानिक झील पर शोध कर रहे थे। इस स्टडी का मकसद यह पता लगाना था कि झील के तलहटी में कितना लिथियम है। वैज्ञानिक शुरू में यह मान कर चल रहे थे कि संभवतः 4 मिलियन टन लिथियम झील के अंदर हो सकता है। लेकिन जैसे ही ड्रिलिंग मशीन से खुदाई शुरू हुई, वैसे ही वैज्ञानिकों का अनुमान गलत साबित होने लगा। अब जानकार मानकर चल रहे हैं कि झील में 18 मिलियन टन तक लिथियम जमा हो सकता है, जो अनुमानित मात्रा से कहीं अधिक है। इस सफेद सोने यानी लिथियम की खोज से अमेरिका को बहुत फायदा होने वाला है।

जानकारों के मुताबिक, साल्टन लेक में इतना ज्यादा लिथियम मिला है, जिससे कि 382 मिलियन इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए बैटरियां बन सकती हैं और अमेरिका चीन को पछाड़कर कैमिकल के क्षेत्र में अग्रणी देश बन सकता है। कैलिफोर्निया यूनिवर्सिटी में जियोकेमेस्ट्री के प्रोफेसर माइकल मैककिबेन ने बताया, ह्ययह दुनिया में सबसे बड़े लिथियम भंडार में से एक है, जो अमेरिका को लिथियम के मामले में पूरी तरह से आत्मनिर्भर बना सकता है। वहीं, तात्कालिक कैलिफोर्निया के गवर्नर गेविन न्यूसोम ने पहले लिथियम के मामले में साल्टन झील को अमेरिका का सऊदी अरब कहा था। लेकिन अब इस नई खोज का मतलब है कि यह झील दुनिया में लिथियम का सबसे बड़ा स्रोत है। जानकार बताते हैं कि यह भंडार इतना ज्यादा है कि वर्तमान में अमेरिका में चल रही सभी गाड़ियों की बैटरी आराम से बन सकती हैं। इसके अलावा दूसरे देशों में भी निर्यात भी हो सकता है। हालांकि, इसके लिए सारा लिथियम प्राप्त करना होगा।

स्लिप डिस्क

ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत

आधुनिक काल में जहां हर क्षेत्र में मानव ने विकास किया है और सफलता के झंडे गाड़े हैं वहीं बीमारियों का शिकार होने में भी शत प्रतिशत सहयोगी बना है। अगर आज के समय में बीमारियों या शरीर के विकारों की बात की जाए तो गिनती शायद कम पड़ जाएगी मगर शरीर के विकार खत्म नहीं हो पाएंगे और इस भागती दौड़ती जिंदगी में हमारा शरीर न जाने किन-किन विकारों की चपेट में आ जाता है। आज लगभग हर आदमी को अपने जीवन काल में कमर दर्द का अनुभव होता है। अब लोगों के लिए कमर दर्द भी एक बहुत बड़ी कष्टदायक समस्या बनी हुई है और अब ये दुनिया में एक महामारी का रूप लेता जा रहा है। आज हर उम्र के लोग इससे परेशान हैं और दुनिया भर में इसके सरल व सहज इलाज की खोज जारी है।

मनुष्य के शरीर में कमर को सबसे मजबूत भाग माना जाता है व हमारी कमर की बनावट में हड्डियां, कार्टिलेज(डिस्क), जोड़, मांसपेशियां, लिगामेंट व नसें आदि सभी शामिल हैं। इनमें से किसी के भी विकारग्रस्त होने पर कमर दर्द उत्पन्न हो सकता है। मैकेनिकल कारणों के साथ टीबी से लेकर कैंसर तक कोई भी कारण दर्द पैदा कर सकता है। कमरदर्द का शिकार पुरूषों से अधिक महिलाएं होती हैं जिसका मुख्य कारण होता है कमर की मांसपेशियों की कमजोरी। इसका दूसरा कारण है कमर की हड्डियों के जोडों में विकार है। कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों के प्रायःलक्षण हैं-पैरों का सुन्न होना, भारी या कमजोरी का एहसास होना,पेशाब में परेशानी, चलने पर पैरों के दर्द का बढना, झुकने या खांसने पर पूरे पैर में करंट जैसा लगना आदि। कई बार रोगियों की चाल शराबियों जैसे लडखड़ाती चाल हो जाती है। कमर दर्द के कई मुख्य कारण है। ये सभी कारण कई रीढ़ संबंधी बीमारियों को जन्म देती है जैसे-स्पोंडिलाइटिस, सर्वाइकल, टी.बी, कमर में ट्यूमर, स्लिड डिस्क आदि। स्लिप डिस्क इसमें से एक बहुत ही गंभीर समस्या बन गई है।

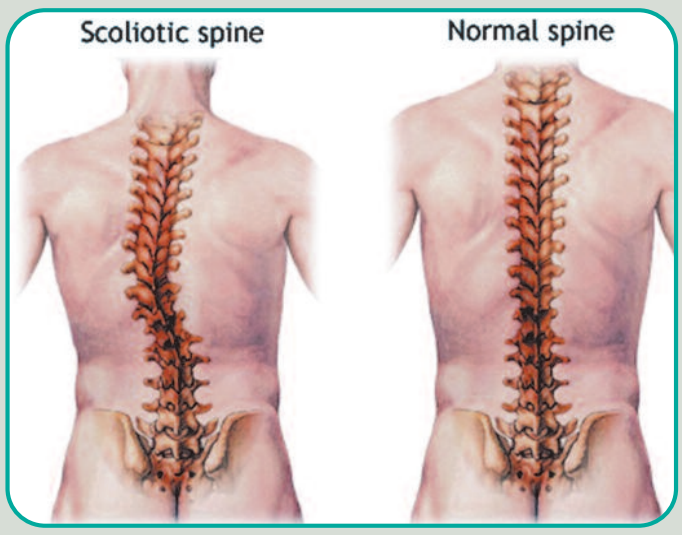

दरअसल स्लिप डिस्क ऐसी बीमारी है जिसे समझने के लिए रीढ़ के बनावट के बारे में जानना जरूरी है। हमारी रीढ़ की हड्डी प्रायः 33 हड्डियों के जोड़ से बनती है और प्रत्येक दो हड्डियां आगे की तरफ एक डिस्क के द्वारा और पीछे की तरफ दो जोड़ों के द्वारा जुड़ी रहती है। यह डिस्क प्रायःरबड़ की तरह होती है जो इन हड्डियों को जोडने के साथ-साथ उनको लचीलापन प्रदान करती है। तो इन्हीं डिस्क में उत्पन्न हुए विकारों को कहते हैं स्लिप डिस्क और कमर दर्द से जुड़ी बीमारियों की पहचान है। कमर से लेकर पैरों में जाता हुआ दर्द जिसके साथ ही साथ पैरों का सुन्न या भारी होना या चीटियां चलने जैसा एहसास भी हो सकता है। आगे चलकर दर्द के मारे चलने में असमर्थ और कई बार लेटे-लेटे भी कमर से पैर तक असहनीय दर्द होता रहता है। स्लिप डिस्क का रोग कमर के अलावा गर्दन में भी हो सकता है। अभी तक पुराने स्लिप डिस्क के ऑपरेशन से लोग काफी भयभीत थे, क्यों कि इसमें नसों के कट जाने व अपाहिज हो जाने का डर रहता था। इस बीमारी से निजात पाने के लिए कई शोध किए जा रहे हैं तथा नई-नई आधुनिकताओं ने व कई प्रयोगों ने बहुत सी नवीन तकनीकों को जन्म दिया है मिनिमली इंवेसिव स्पाइन सर्जरी को %की होल सर्जरी' के नाम से भी जाना जाता है जिस में एक पतली दूरबीन जैसे एक यंत्र जिसे %एंडोस्कोप' कहा जाता है इस्तेमाल की जाती है जो कि एक छोटे से चीरे के द्वारा अंदर डाली जाती है। एंडोस्कोप एक छोटे वीडियो कैमरे से जुड़ा होता है जो कि मरीज के शरीर के अंदर की सभी गतिविधियों को ऑपरेशन के कमरे में रखे टीवी की स्क्रीन पर प्रदर्शित क रता है। एक या अधिक अतिरिक्त आधा इंच के चीरे के द्वारा फिर से एक छोटी शल्यक्रिया यंत्र डाला जाता है। कुछ महीनों बाद इस के निशान स्वयं दूर हो जाते है। स्लिप डिस्क के मरीज जिन्हें चाहे गर्दन से दर्द से या कमर में अब इस आसान व सुरक्षित विधि से निजात पा सकते है। यह सर्जरी केवल एक छोटे से छिद्र के द्वारा संभव हो जाती है और इसमें मरीज को बेहोश करने की भी आवश्यकता नहीं पड़ती। इस ऑपरेशन में टीवी पर देखते हुए एक चार मिलीमीटर का इंडोस्कोप सुत्र करके डिस्क में डाला जाता है और सी आर्म व टेलीविजन मॉनिटर पर 20 गुणा बड़ी तस्वीर को देखते हुए सूक्ष्म व सफल तरीके से निकाला भी जा सकता है। इस ऑपरेशन में आधे से एक घंटे का समय लगता है और मरीज को दर्द का आभास न हो इस लिए पूरे ऑपरेशन के दौरान चिकित्सक मरीज से बातचीत करता रहता है तथा स्लिप डिस्क के हटते ही मरीज को ऑपरेशन टेबल पर ही दर्द से राहत मिलने लगती है।

सर्दियों में संक्रमण से बचाता है लहसुन

लहसुन के कई फायदे है. सर्दियों में बहुत हद तक इससे राहत मिल सकती है. इसके सेवन से शरीर के प्रतिरोधी क्षमता बढती है, दांत दर्द आदि से राहत में इसका उपयोग किया जा सकता है. आइये जानते है इसकी कुछ खास विशेषताएं-

- लहसुन के सेवन से शरीर की प्रतिरोधी क्षमता बढ़ती है. इससे किसी भी प्रकार के संक्र मण का प्रभाव शरीर पर तुरंत नहीं होता.
- ठंड के दिनों में लहसुन के सेवन से सर्दी नहीं लगती. ठंड के दिनों में गाजर, अदरक और लहसुन का सूप बनाकर पीने से शरीर को एंटीबायोटिक्स मिलते हैं और ठंड कम लगती है.
- लहसुन के सेवन से दांतदर्द की समस्या में आराम मिलता है. लहसुन को लौंग के साथ पीसकर दांतों के दर्दवाले हिस्से पर लगाने से दर्द से तुरंत राहत मिलती है.
- गर्भावस्था के दौरान लहसुन का नियमति सेवन मां और शिशु, दोनों के स्वास्थ्य के लिए बेहद फायदेमंद है. यह गर्भ के भीतर शिशु के वजन को बढ़ाने में सहायक है.
- गठिया और अन्य जोड़ों के रोग में भी लहसुन का सेवन बहुत ही लाभदायक है.
- यदि रोज नियमति रूप से लहसुन की पांच कलियां खायी जाएं तो हृदय संबंधी रोग होने की संभावना में कमी आती है.
- लहसुन की पांच कलियों को थोड़ा पानी डाल कर पीस लें और इस पेस्ट में 10 ग्राम शहद मिला कर सुबह -शाम सेवन करें. इस उपाय को करने से सफेद बाल काले हो जायेंगे.
- लहसुन का तेल हथेली व पैरों के तलवों पर लगाने से मच्छर पास नहीं आते व स्किन सॉफ्ट हो जाती है.
- लहसुन के सेवन से वजन को घटाया जा सकता है, क्योंकि इसमें हमारे शरीर में बननेवाली वसा कोशिकाओं को नियमित करने की क्षमता है, जिससे वजन आसानी से घट जाता है.

कैसे पाएं स्वस्थ त्वचा

स्वास्थ्य रहने के लिए पौष्टिक भोजन को लेना बहुत जरुरी है. हर कोई चाहता है कि वह स्वस्थ्य रहे सुंदर दिखे. ऐसे में आप इन सब तरीकों को अपनाए तो आपकी सुंदरता निखरेगी और चेहरे में हमेशा चमक बनी रहेगी.

हाइड्रेट रहें - खूब पानी पीएं. हाइड्रेटेड फूड का सेवन अधिक करें. ताजी-हरी सब्जियां और रसदार फलों का सेवन बेहतर विकल्प है.

प्रोटीन का करें प्रयोग - ठंड में ऐसे पदार्थो का सेवन अधिक करें, जिनमें जिनमें एमिनो एसिड, बी 12 और विटामिन डी अच्छी मात्र में हों. ये मांस-मछली से तो प्राप्त होते ही हैं, इसके अलावा ये बीन्स और अनेक प्रकार की दालों से भी प्राप्त होते हैं.

अच्छे फैट का करें सेवन - ओमेगा-3 से भरपूर खाद्य पदार्थ काफी लाभदायक होते हैं. इसे सालमन मछली, बादाम आदि से प्राप्त किया जा सकता है.

डैमेज त्वचा को ठीक करता है विटामिन ए - यह मछली के लिवर के तेल और सब्जियों, गाजर, मीठे आलू, लहसुन, अदरक आदि से प्राप्त होता है.

एलर्जिक स्किन रिएक्शन से बचाता है विटामिन सी - इसे सेब, लहसुन, प्याज और हरी सब्जियों से प्राप्त कर सकते हैं. स्किन रिएक्शन कम करता है क्रेरसेटिंस - इसे साइट्रस फूड, जैसे-संतरे, नीबू आदि और ग्रीन टी से प्राप्त किया जा सकता है. ड्रायनेस से बचाते हैं विटामिन बी कॉम्प्लैक्स - यह आमतौर पर मछली, बादाम, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों में पाया जाता है. त्वचा को सुरक्षित रखता है विटामिन इ - यह विटामिन भी मांस, मछली, अंडे, हरी पत्तीदार सब्जियों और ब्रोकली में मिलता है.

त्वचा को रिपेयर करता है जिंक - जिंक हमें कद्दू के बीज, लिवर, अंडे आदि से प्राप्त हो सकता है.

सर्दियों में तन की दुर्गंध से निजात पाने के घरेलु नुस्खे

कई बार ऐसा होता है कि सामने वाले से ऐसी दुर्गंध आती है कि उसके पास बैठना मुश्किल हो जाता है। ऐसा नहीं है कि जो लोग नहीं नहाते, उन्हीं के शरीर से दुर्गंध आती हो। कई बार नियमित तौर पर नहाने के बाद भी शरीर से दुर्गंध आती है, जिसका एक कारण तो यह भी है कि आजकल ज्यादातर लोग फील्ड वर्क करते हैं।

साधारण या ब्रांडेड डियोडोरैंट कुछ समय से ज्यादा शरीर की दुर्गंध को दूर नहीं भगा सकता, परंतु आप अपनी रूटीन में कुछ तरीकों को शामिल कर आसानी से इस समस्या को दूर भगा सकती हैं।

खाने-पीने की आदतों पर ध्यान दें

अपने खाने में प्याज एवं लहसुन का सेवन कम कर दें। यही नहीं, मेथी भी कम ही खाएं, क्योंकि इन खाद्य पदार्थों से शरीर के सूक्ष्म छिद्रों द्वारा उनकी गंध बाहर आने लगती है, जो दूसरों को दुर्गंध लगती है। ज्यादा मसालेदार खाने से भी परहेज करें।

प्रतिदिन स्नान करें - यदि आप हर रोज स्नान नहीं करते, तो शरीर से दुर्गंध आना स्वाभाविक है। हर दिन बढिया क्वालिटी के साबुन से स्नान करें। गर्मियों के दिनों में तो कम से कम दो बार स्नान अवश्य करें। सर्दियों में गुनगुने पानी से स्नान करें।

सही तरीके से खाएं बादाम

बादाम सर्वाधिक पोषक तत्वों से भरपूर मेवे हैं। ये विटामिन ई तथा फाइबर का बहुत बढिया स्रोत हैं साथ ही इनमें प्रोटीन, कॉपर, फासफोरस, मैग्रीशियम तथा रीबोफ्लेविन भी पाए जाते हैं। बादाम से भरपूर भोजन स्वास्थ्य के लिए फायदेमंद होता है।

- बादामों में मैग्रीशियम उच्च मात्रा में पाया जाता है। ये नींद तथा मांसपेशियों के आराम को बढ़ाते हैं। इसके साथ ही ये उन प्रोटीन्स की आर्पूति भी करते हैं जो निद्रा के दौरान ब्लड शूगर के स्तर को स्थिर करने में सहायक होते हैं। यह 'अलर्ट एड्रेनालीन साइकिल' से 'रैस्ट एंड डाइजैस्ट साइकिल' की ओर ले जाकर आपकी नींद को बढिया बनाते हैं।
- इससे हृदय की रक्त वाहिकाएं स्वस्थ रहती हैं। रक्त में एंटीऑक्सीडैंट की मात्रा में उल्लेखनीय रूप से बढ़ौतरी होती है जिस कारण रक्तचाप बढ़ता है और रक्त प्रवाह में सुधार होता है।
- 8 बादाम के तेल में मलाई और नींबू के रस की चंद बूंदें मिलाकर त्वचा पर हल्के हाथों से मसाज करें। इसके प्रयोग से त्वचा की रंगत में निखार आता है।
- भोजन के बाद सीने में जलन होने पर अजवायन और एक बादाम दांतों से चबाकर खाएं।
- भूलने की आदत से छुटकारा पाने के लिए 9 बादाम रात को पानी में भिगो दें। सुबह छिलके उतारकर बारीक पीस कर पेस्ट बना लें और अब एक गिलास दूध गर्म करें। उसमें बादाम का पेस्ट घोल कर इसमें 3 चम्मच शहद भी डालें। दूध जब हल्का गर्म हो तब पिएं। यह मिश्रण पीने के बाद दो घंटे तक कुछ न खाएं।

मुस्कान न चुरा ले सर्दी

मौसम के बदलाव में कई बीमारियों का खतरा भी है. सर्दी-जुकाम होना तो आम बात है. हृदय रोग, अस्थमा आदि के मरीजों के लिए भी यह खतरनाक है. जरा-सी लापरवाही हाइपोथर्मिया का शिकार बना सकती है.

हाइपोथर्मियाबॉडी का वह स्टेट (अवस्था) है, जिसमें ठंड की वजह से टेंपरेचर नॉर्मल से कम हो जाता है. इसमें टेंपरेचर 35 डिग्री सेल्सियस से कम हो जाता है. इस बीमारी को टेंपरेचर के स्तर पर विभाजित किया जा सकता है. यदि बॉडी टेंपरेचर 32-35 डिग्री सेल्सियस है, तो माइल्ड हाइपोथर्मिया है. यदि 28-32 डिग्री सेल्सियस है, तो मॉडरेट और 28 डिग्री सेल्सियस से कम है, तो सीरियस हाइपोथर्मिया कहलाता है.

कैसे करता है प्रभावित

यह बीमारी बुजुर्गो को ज्यादा प्रभावित करती है. इसका कारण उम्र बढ़ने के साथ-साथ उनके बॉडी सिस्टम का कमजोर हो जाना है. हाइपोथर्मिया के लक्षण इसकी गंभीरता पर निर्भर करते हैं. माइल्ड हाइपोथर्मिया होने पर रोगी के हाथ सही तरीके से काम नहीं करते हैं. इसके अलावा पेट संबंधी समस्या भी देखने को मिलती है.

मॉडरेट हाइपोथर्मिया में पीड़ित व्यक्ति में कंपकंपाहट तेज होती है, ब्लड वेसेल्स सिकुड़ जाती हैं, मरीज का रंग पीला पड़ जाता है और उंगलियां, होठ नीले पड़ जाते हैं. सीरियस हाइपोथर्मिया में कंपकंपाहट नहीं होती. इसमें मरीज को बोलने में दिक्कत, सोचने में परेशानी आदि समस्या देखने को मिलती है. यह सबसे गंभीर अवस्था है, इसमें मरीज के कई अंग काम करना बंद भी कर सकते हैं.

कैसे करें बचाव

सर्दियों में अक्सर छोटी-सी लापरवाही भी परेशानी का कारण बन जाती है. हाइपोथर्मिया से बचने के लिए निम्न सावधानी जरूर बरतें-

- घर से बाहर निकलें तो शरीर का हर अंग ढक कर निकलें.
- सुबह-शाम की सर्द हवाओं से बचें.
- घर से निकलते समय खाना खाकर निकलें.
- नशीले पदार्थों का सेवन न करें.

इन रोगों का भी होता है खतरा

जुकाम और खांसी

यह समस्या बदलते मौसम में किसी को भी हो सकती है. यह समस्या एलर्जी की वजह से होती है. जुकाम-खांसी के साथ सर्दी लगने की वजह भी एलर्जी को ही माना जाता है. चिकित्सक बताते हैं कि यदि आप हेल्दी डायट लेते हैं, तो खुद को एलर्जी से बचा सकते हैं. खाने में विटामिन, प्रोटीन और मिनरल्स की मात्र संतुलित रखें.

फ्लू भी हो सकता है हावी

इस मौसम में वायरल इन्फेक्शन के कारण फ्लू भी आपको अपनी चपेट में ले सकता है. वायरल इन्फेक्शन में बुखार, सिरदर्द, आंखों से पानी बहना आदि लक्षण दिखाई देते हैं. वायरल इन्फेक्शन से बचने के लिए शरीर की साफ-सफाई का ख्याल रखें. इसके अलावा बाहरी खाने से परहेज करें.

क्या है उपचार

यदि व्यक्ति में हाइपोथर्मिया के लक्षण दिखाई दें रहे हैं, तो शुरुआती उपचार के तौर पर मरीज को कंबल से ढक कर रखें. जिस कमरे में मरीज को रख रहे हैं, उसका तापमान 24 डिग्री सेल्सियस हो. हीटर के माध्यम से हाइपोथर्मिया के मरीजों को गरम हवा भी दे सकते हैं. मरीज को ठंड के संपर्क में आने से बचाएं. यदि मरीज को डायबिटीज या अन्य कोई बीमारी है या हाइपोथर्मिया मॉडरेट या सीरियस लेवल का है, तो चिकित्सक से संपर्क कर उचित ट्रीटमेंट कराना चाहिए.

खेल-खेल में की कहानी इतालवी फिल्म से रूपांतरित:अजीज

मुंबई

बहुप्रतीक्षित फिल्म खेल-खेल में सोनी मैक्स 30 नवंबर, 2024 को रात 08:00 बजे चैनल पर फिल्म की रिलीज से पहले निर्देशक मुदस्सर अजीज ने फिल्म के रूपांतरण और प्रेरणा के बारे में अपनी अंतर्दृष्टि साझा की। मुदस्सर अजीज ने कहा, कहानी एक इतालवी फिल्म से रूपांतरित की गई है फिल्म की स्क्रिप्ट पर काम करते समय अजीज को भारतीय दर्शकों के साथ तालमेल बिठाने के लिए कहानी बुनने में मुश्किल हो रही थी। हालांकि, कहानी लिखने के दौरान जिस होटल में वे ठहरे थे, वहां एक शादी समारोह आयोजित हो रहा था। कहानी को एक साथ जोड़ने के लिए यह एक महत्वपूर्ण कुंजी थी। ह्यखेल खेल मेंह्न दर्शकों को कई तरह की भावनाओं से रूबरू कराता है और इसमें कई ऐसे दृश्य हैं जो उनके दिल को छू जाते हैं।

हालांकि, अपने पसंदीदा दृश्य के बारे में अजीज ने बताया, ह्नतापसी पन्नू जब स्पर्म डोनर की मदद लेने के अपने फैसले के बारे में कबूलनामा करती है तो वह क्षण दिल दहला देने वाला है।ह्न उन्होंने आगे कहा, ह्नभारतीय महिलाएं अक्सर अपने परिवारों के लिए चुपचाप महत्वपूर्ण त्याग करती हैं। मेरी माँ ऐसी ही एक महिला थीं। मेरे लिए इस भावना को फिल्म में कैद करना महत्वपूर्ण था और तापसी पन्नू के अभिनय ने इसे जीवंत कर दिया। इस दृश्य का सुंदर चित्रण इसकी भावनात्मक तीव्रता को संतुलित करता है, जो इसे मेरा पसंदीदा दृश्य बनाता है।

बता दें कि बहुप्रतीक्षित फिल्म खेल-खेल में की वर्ल्ड टीवी रिलीज के लिए पूरी तरह तैयार है। मुदस्सर अजीज द्वारा निर्देशित यह सस्पेंस ड्रामा एक रोमांचक मोड़ लेता है क्योंकि रहस्यों का एक खेल सामने आता है। फिल्म दोस्तों के एक समूह के इर्द-गिर्द घूमती है, जो एक दिलचस्प खेल में शामिल होते हैं। वहां उनके मोबाइल फोन पर प्राप्त किसी भी कॉल या संदेश का विवरण पूरे ग्रुप के साथ साझा करना होता है। जो कुछ शुरू में मजेदार लगता है, वह जल्द ही छिपी हुई सच्चाइयों का रहस्योद्घाटन बन जाता है।

वेदांत और न्यासा की दोस्ती को लेकर अफवाहें तेज

मुंबई

सुपरस्टार अजय देवगन की बेटी न्यासा ने भले ही बॉलीवुड में अभी तक कदम नहीं रखा हो, लेकिन सोशल मीडिया पर उनकी बड़ी फैन फॉलोइंग है। हाल ही में, न्यासा के रूमर्ड बॉयफ्रेंड वेदांत महाजन ने अमेरिका में एक ग्रैंड पार्टी आयोजित की, जिसमें हॉलीवुड के कई बड़े सितारे शामिल हुए।

इससे पूर्व वेदांत ने मुंबई और दिल्ली में बड़े इवेंट्स का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड के कई नामी सितारे और उनके परिवारवाले भी शामिल हुए। इस दौरान वेदांत और नीसा की दोस्ती को लेकर अफवाहें तेज हो गईं और लोग उनकी नजदीकी को लेकर बातें करने लगे। हाल ही में यह अफवाहें उड़ी हैं कि वेदांत महाजन और न्यासा देवगन एक-दूसरे को डेट कर रहे हैं, लेकिन दोनों की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है। फिर भी सोशल मीडिया पर उनके फैंस कयास लगा रहे हैं कि दोनों के बीच कुछ है। वहीं, न्यासा ने पहले ही साफ कर दिया था कि वह फिल्मों में अपना करियर नहीं बनाना चाहतीं और फिलहाल उनका फिल्मी

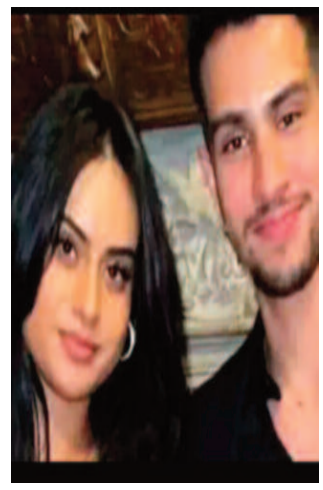

डेब्यू नहीं है। वेदांत महाजन की पार्टियों में सिर्फ स्टार किड्स ही नहीं, बल्कि बॉलीवुड के बड़े सितारे भी हिस्सा लेते हैं। रणवीर सिंह, कनिका कपूर, इमरान खान, डिवाइन, तेशर, रित्विज, गैरी संधू और रेमोन रोचेस्टर जैसे कई नामी कलाकार उनकी पार्टियों में शामिल हो चुके हैं। मालूम हो कि वेदांत महाजन, जिनकी तस्वीरें न्यासा के साथ अक्सर वायरल होती हैं, एक 25 साल के युवा एंटरप्रेन्योर हैं।

वेदांत ने अपने दोस्तों मानक ढींगरा और मोहित रावल के साथ मिलकर एक इवेंट मैनेजमेंट कंपनी एमवीएम एंटरटेनमेंट की शुरूआत की है। वेदांत और उनके दोस्त मिलकर मुंबई, दिल्ली, और लंदन जैसे शहरों में बड़े पैमाने पर ग्रैंड पार्टियां ऑर्गनाइज करते हैं। इन पार्टियों में बॉलीवुड के स्टार किड्स और कई फिल्मी हस्तियां भी शिरकत करती हैं, जिनमें जाह्नवी कपूर, अहान शेट्टी, मिहिका रामपाल, आर्यन खान और नीसा देवगन जैसे नाम शामिल हैं। इसके अलावा, वेदांत की पार्टियों में हॉलीवुड के कई सितारे भी दिखाई देते हैं। वेदांत ने 2019 में लंदन विश्वविद्यालय से ऑन्ट्रप्रनर्शिप में मास्टर डिग्री हासिल की। इसके बाद उन्होंने साउथ अफ्रीका में स्टूडेंट्स के लिए पार्टी ऑर्गनाइज करने का काम शुरू किया, लेकिन कोविड-19 महामारी की वजह से उनका यह प्रोजेक्ट सफल नहीं हो सका।

हर रोड डिवाइडर पर पानी से भरे रोड क्रैश बैरियर रखे जाएः सोनू सूद

मुंबई

बॉलीवुड एक्टर सोनू सूद ने रोजाना होने वाले सड़क हादसों पर अपनी चिंता व्यक्त की और साथ ही मुंबई में एक युवक की रोड एक्सीडेंट में हुई मौत पर भी दुख व्यक्त किया। सोनू सूद ने एक्स अकाउंट पर वॉटर फिल्ड रोड क्रैश बैरियर की फोटो का इस्तेमाल करते हुए लिखा, मुझे मुंबई में रोड डिवाइडर से टकराकर जान गंवाने वाले एक युवक के बारे में सुनकर दुख हुआ। मुझे लगता है कि अगर हमारे देश में हर रोड डिवाइडर पर इस तरह के पानी से भरे रोड क्रैश बैरियर रखे जाएं, तो हम लाखों जानें बचा सकते हैं। इसे हर रोड कॉन्ट्रैक्ट में जरूरी बनाना चाहिए। जय हिंद. बता दें, बीते दिन खबर सामने आई थी कि डायरेक्टर अश्विनी धर के बेटे जलज की कार एक्सीडेंट में मौत हो गई। बताया जा रहा था कि जलज अपने तीन दोस्तों साहिल मेंधा, सार्थ कौशिक और जेडन जिमी के साथ कार ड्राइविंग पर निकले थे। जहां साहिल और जेडन फ्रंट सीट पर बैठे थे, वहीं अश्विनी धीर के बेटे जलज और उनके एक और दोस्त सार्थ बैक सीट पर थे। कहा जा रहा है कि ड्राइव कर रहे 18 साल के साहिल ने ड्राइविंग करते हुए ड्रिंक की हुई थी, इसकी वजह से उन्होंने मुंबई के विले पार्ले में मौजूद सहारा होटल के पास बने डिवाइडर पर ही कार चढ़ा दी, जिसमें दो लोगों की मौत हो गई और दो घायल हो गए। बता दें कि देश में आए दिन सड़क हादसों के मामले सामने आए रहते हैं, जिसमें तो कई लोग अपनी जान भी गंवा देते हैं, या फिर हमेशा के लिए अपंग हो जाते हैं ।

तलाक की घोषणा करने मीडिया आउटलेट ने दबाव डाला था: कुशा कपिला

मुंबई

पॉपुलर सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर और एक्ट्रेस कुशा कपिला ने अब तलाक की घोषणा के पीछे का एक बड़ा और शॉकिंग खुलासा किया है। हाल ही में कुशा कपिला ने एक पॉडकास्ट में बताया कि उन्हें तलाक की घोषणा करने के लिए एक मीडिया आउटलेट ने दबाव डाला था।

कुशा ने कहा कि उन्हें तलाक का ऐलान करने के लिए 2 दिन की डेडलाइन दी गई थी। यदि वह तय तारीख तक यह ऐलान नहीं करतीं, तो मीडिया उस खबर को खुद पब्लिक कर देता। कुशा ने खुलासा करते हुए कहा कि वह और जोरावर इस फैसले को पर्सनल रखना चाहते थे, लेकिन मीडिया को यह खबर पहले ही मिल चुकी थी।

मीडिया ने कुशा को दो दिन का समय दिया था, या तो वह तलाक की पुष्टि कर दें, या फिर यह खबर सार्वजनिक करने से इंकार कर दें। अगर कुशा यह ऐलान नहीं करतीं, तो मीडिया इसे अपनी स्टोरी में शामिल कर लेता। कुशा ने बताया कि वह चाहती थीं कि तलाक की खबर सिर्फ

उनके और जोरावर के द्वारा ही लोगों तक पहुंचे, लेकिन उनके प्रयासों के बावजूद यह खबर लीक हो गई, जब किसी ने उन्हें कोर्ट में देख लिया। कुशा का कहना है कि वे दोनों सिर्फ अपनी ज़िंदगी जी रहे थे और मीडिया ने जो जानकारी मिली, उस पर काम किया। तलाक की घोषणा के बाद, कुशा को सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग का सामना भी करना पड़ा।

हालांकि, उन्होंने बताया कि वे दोनों अपनी जिंदगी के इस फैसले से खुश थे, और उन्हें इसके बाद की आलोचनाओं से कोई फर्क नहीं पड़ा। बता दें कि कुशा कपिला ने पिछले साल 26 जून को अपने तलाक की घोषणा कर फैंस को हैरान कर दिया था। उन्होंने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट शेयर करके बताया था कि वह और उनके पति जोरावर सिंह अहलूवालिया अलग होने का फैसला ले चुके हैं, क्योंकि दोनों की जिंदगी की दिशा अलग थी।

लान्ग टाइम गर्लफ्रेंड संग सगाई की अभिषेक ने

मुंबई

छोटे परदे के एक्टर अभिषेक वर्मा को उनकी सपनों की रानी मिल गई है। वह जल्द घोड़ी चढ़ने वाले हैं। अभिषेक वर्मा अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर चर्चा में हैं। हाल ही में एक्टर ने अपनी लान्ग टाइम गर्लफ्रेंड संग सगाई की। अपने इंस्टा हैंडल पर अभिषेक ने अपनी प्यारी मंगेतर के साथ उनकी सगाई की कुछ तस्वीरें शेयर कीं और उन्हें अपनी पत्नी कहकर बुलाया। तस्वीरों में यह जोड़ी एक-दूसरे के साथ मस्ती भरे अंदाज में पोज देती नजर आ रही है। लुक की बात करें तो मखमली लहंगे में इंदित्री सुंदर लग रही थीं। उन्होंने अपने लहंगे को स्ट्रैपी ब्लाउज के साथ टीमअप किया।

मिशेल जॉनसन का सुझाव : खराब फॉर्म में चल रहे मार्नस लाबुशेन को टेस्ट टीम से बाहर किया जाए

एडिलेड

ऑस्ट्रेलिया के पूर्व तेज गेंदबाज मिशेल जॉनसन ने टीम के खराब फॉर्म से जूझ रहे बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन को भारत के विरुद्ध आगामी दिन-रात्रि एडिलेड टेस्ट से बाहर करने की सलाह दी है। जॉनसन का मानना है कि लाबुशेन को फॉर्म में वापसी के लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने का मौका मिलना चाहिए, ताकि उन्हें दबाव से मुक्त होकर अपनी बल्लेबाजी में सुधार का अवसर मिल सके। लाबुशेन, जो लंबे समय से रन बनाने में संघर्ष कर रहे हैं, ने पर्थ में खेले गए पहले टेस्ट मैच में निराशाजनक प्रदर्शन किया था। पहले टेस्ट की दोनों पारियों में उनका बल्ला शांत रहा था, जिसमें उन्होंने पहली पारी में 52 गेंदों पर सिर्फ 2 रन और दूसरी पारी में 5 गेंदों पर 3 रन बनाए। इस खराब प्रदर्शन के कारण ऑस्ट्रेलिया को 295 रन से हार का सामना करना पड़ा था।

जॉनसन ने कहा, लाबुशेन का प्रदर्शन पिछले कुछ समय से खराब चल रहा है और उन्होंने अपनी आखिरी 10 टेस्ट पारियों में से केवल एक बार ही दहाई अंक को पार किया है। अब उनके लिए घरेलू क्रिकेट में खेलने का वक्त आ गया है, ताकि वह मानसिक रूप से फ्रेश होकर अपनी बल्लेबाजी पर काम कर सकें। जॉनसन का मानना है कि लाबुशेन को शेफील्ड शील्ड जैसे घरेलू टूर्नामेंटों में खेलते हुए बेहतर प्रदर्शन करने का मौका मिलेगा, जो उन्हें टीम में वापसी के लिए तैयार करेगा। उन्होंने यह भी कहा कि टेस्ट क्रिकेट में उनकी निराशाजनक फॉर्म का मतलब यह नहीं है कि उनका भविष्य अधर में लटक गया है, बल्कि इसका मतलब सिर्फ यह है कि उन्हें कुछ समय के लिए आराम की जरूरत है।

इसके अलावा, जॉनसन ने स्टीव स्मिथ की फॉर्म को लेकर भी चिंता जताई। उन्होंने कहा, स्मिथ की फॉर्म गंभीर चिंता का विषय बन गई है। वह अपनी पुरानी चमक खोते हुए दिख रहे हैं और उनके द्वारा खेले जाने वाले पैड पर आने वाली गेंदों पर उन्होंने पहले जैसी सहजता से रन बनाना बंद कर दिया है। जॉनसन ने यह भी कहा कि स्मिथ को जल्द ही अपनी फॉर्म में सुधार करना होगा, नहीं तो टीम को उनके स्थान पर विकल्प तलाशने की जरूरत पड़ सकती है। आखिरकार, जॉनसन का यह बयान ऑस्ट्रेलिया के आगामी टेस्ट मैचों को लेकर बढ़ती चिंता को दर्शाता है, खासकर उस समय जब टीम को भारतीय गेंदबाजों से चुनौती का सामना करना है।

आईपीएल ऑक्शन के सबसे युवा खिलाड़ी पाक के खिलाफ फ्लॉप

दुबई

आईपीएल ऑक्शन 2024 में सबसे युवा खिलाड़ी के रूप में इतिहास बनाने वाले 13 साल के वैभव सूर्यवंशी एशिया कप में पाकिस्तान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलने के बाद फ्लॉप साबित हुए। भारत के अंडर-19 टीम के बाएं हाथ के ओपनर सूर्यवंशी पाकिस्तान के खिलाफ मैच में सिर्फ 9 गेंदों पर एक रन बनाकर आउट हो गए। यह मैच दुबई इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला गया था, जहां पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 281 रन बनाए थे। सूर्यवंशी को अपनी पारी के दौरान अली रजा की तेज गेंदबाजी का सामना करना पड़ा, जो एक एंगल बॉल थी। गेंद सूर्यवंशी के बल्ले का मोटा किनारा लेकर विकेटकीपर साद बेग के हाथों में समा गई। इससे पहले, भारत की शुरूआत काफी

खराब रही थी। आयुष म्हात्रे भी महज 20 रन बनाकर आउट हो गए थे।

वैभव सूर्यवंशी, जो बिहार के समस्तीपुर के रहने वाले हैं, को राजस्थान रॉयल्स ने 1 करोड़ 10 लाख रुपये में खरीदा था, जबकि उनका बेस प्राइस सिर्फ 30 लाख था। इस आईपीएल डील के बाद से उनके प्रदर्शन पर सभी की निगाहें थीं, खासकर एशिया कप के इस महत्वपूर्ण मैच में। सूर्यवंशी ने इससे पहले ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ भारतीय अंडर-19 टीम में शानदार प्रदर्शन करते हुए सेंचुरी भी बनाई थी, लेकिन एशिया कप में उनका प्रदर्शन काफी निराशाजनक रहा। इस मैच में पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए शाजेब खान के विस्फोटक 159 रन की पारी के दम पर भारत के सामने 282 रन का लक्ष्य रखा। भारतीय टीम ने जवाब में संघर्ष किया, लेकिन उनकी शुरूआत कमजोर रही। हालांकि, भारत अंडर-19 एशिया कप की सबसे मजबूत टीम मानी जाती है, क्योंकि उसने इस टूर्नामेंट में अब तक 8 बार ट्रॉफी जीती है। भारत की टीम इस बार फेवरेट मानी जा रही थी, लेकिन पिछले साल बांग्लादेश के खिलाफ सेमीफाइनल में हारने के बाद यह देखा जाएगा कि क्या वे फिर से खिताब हासिल कर पाते हैं या नहीं।

जडेजा-अश्विन युवा खिलाड़ियों की करते हैं मदद ताकि टीम इंडिया करे अच्छा प्रदर्शन

-भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने की सीनियर-जूनियर की तुलना

कैनबरा

भारत के सहायक कोच अभिषेक नायर ने कहा कि विश्व में ऐसी कई टीमें हैं जिसमें सीनियर खिलाड़ी जूनियर्स को प्लेइंग 11 में खेलता देख सहन नहीं कर पाते हैं, लेकिन टीम इंडिया में ऐसा नहीं है क्योंकि हमारे पास रविचंद्रन अश्विन और रविंद्र जडेजा जैसे वरिष्ठ खिलाड़ी हैं। जडेजा और अश्विन के नाम 855 टेस्ट विकेट हैं। दोनों को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ पर्थ में पहले टेस्ट मैच की अंतिम एकादश से बाहर कर दिया गया था। उनकी जगह वाशिंगटन सुंदर को मौका दिया गया था।

नायर ने प्रधानमंत्री एकादश के खिलाफ भारत के दो दिवसीय अभ्यास मैच से पहले कहा कि यह तब मुश्किल होता है जब आपके पास ऐसे सीनियर खिलाड़ी हों जो यह बात नहीं समझते, लेकिन जब आपके पास जडेजा और अश्विन जैसे खिलाड़ी हों जो समझते हैं कि टीम क्या करने की कोशिश कर रही है तो यह बहुत आसान हो जाता है क्योंकि टीम की प्रथम नीति पर रोहित और गंभीर पर विश्वास करते हैं।

नायर का मानना है कि पूरी टीम रोहित और गंभीर की रणनीति के अनुसार चलती है जिसमें ये दो महान स्पिन खिलाड़ी भी शामिल हैं। उन्होंने कहा कि वे सभी इसे अपना चुके हैं। इसलिए मुझे बहुत खुशी हुई कि जडेजा और अश्विन युवा खिलाड़ियों की मदद करने जा रहे हैं ताकि वे यहां अच्छा प्रदर्शन कर सकें। उन्हें समझाना बहुत मुश्किल नहीं था और

हर कोई चाहता है कि टीम इंडिया जीते।

स्पिनरों को लेकर उन्होंने कहा कि मुझे हमेशा लगता है कि क्रिकेट के खेल में किसी की भी भूमिका कम नहीं होती, फिर चाहे आप स्पिनर हों या तेज गेंदबाज, आपके पास हमेशा मौका होता है। उन्होंने कहा कि योजनाएं कई बार बदल सकती हैं। आप गेंद कैसे छोड़ते हैं और किस गति से करते हैं, इसमें बदलाव हो सकता है। यही वजह है कि आप गुलाबी गेंद के साथ तैयारी करना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि हो सकता है कि लाल गेंद की तुलना में यह थोड़ी ज्यादा चुनौतीपूर्ण हो और मुख्य रूप से इसलिए क्योंकि आपने गुलाबी गेंद से उतनी गेंदबाजी नहीं की, लेकिन मेरा मानना है कि किसी भी शीर्ष स्तर के स्पिनर के पास मौका होगा।

विशेष सूचना

आज से समाचार पत्रा में वही संवाददाता वैध रहेंगे जिनके नाम प्रेस लाईन के ऊपर बने बॉक्स में दशार्ये गये हैं।

समाचार व विज्ञापनों के लिए सम्पर्क करें।

सारिका
डेक्स एडिटर
7500992656

नाथीराम कश्यप
विशेष संवाददाता, लक्सर
9411119095

शादाब अली
देहरादून
मो. 9897139325

शमशाद अहमद
भगवानपुर

सभी राज्यों में, जिला, तहसील व ब्लॉक, स्तर पर प्रभारी व रिपोर्टर पद हेतु कार्य करने के इच्छुक युवक/युवतियां सम्पर्क करें।

अमित कुमार मंगोलिया
सम्पादक
प्रधन कार्यालय
मिशन नेशनल न्यूज, पुल
जटवाड़ा, घास मण्डी, ज्वालापुर,
हरिद्वार
मो. 9219141431

किसी भी तरह के विवाद का निपटारा हरिद्वार न्यायालय में होगा